A Daily News Magazine
भोपाल
सोमवार, 15 जून, 2026

सुबह सवेरे

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 23, अंक 283, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

सीबीएसई की त्रिभाषा नीति को व्यापक परिप्रेक्ष्य में समझना जरूरी

एम. जगदीश कुमार

भारत में भाषा की नीति शायद ही कभी क्लासरूम तक ही सीमित रहती है। यह पहचान, पहुंच, मोबिलिटी और खुद शिक्षा के मकसद को छूती है। इसीलिए सीबीएसई की थ्री-लैंग्वेज पॉलिसी को लेकर हाल की बहस ने इतना ध्यान खींचा है। नीति को ध्यान से पढ़ने पर पता चलता है कि मुख्य मुद्दा यह नहीं है कि भारत को कई भाषाओं को महत्व देना चाहिए या नहीं। असली सवाल यह है कि कई भाषाओं वाली पॉलिसी को इस तरह से कैसे लागू किया जाए कि वह पढ़ाई के हिसाब से सही हो, एडमिनिस्ट्रेटिव तौर पर सही हो और जिसे लोग अच्छी तरह समझ सकें। सीबीएसई के हालिया कदम को और ज़्यादा गहराई और शांति से पढ़ने की ज़रूरत है।

त्रिभाषा नीति (थ्री-लैंग्वेज पॉलिसी) 2026 में सीबीएसई या 2020 की नेशनल एजुकेशन पॉलिसी से शुरू नहीं हुआ था। यह भारत की भाषाई समृद्धि को राष्ट्रीय जुड़ाव और मॉडर्न एजुकेशनल उम्मीदों के साथ मिलाने की एक बहुत पुरानी कोशिश है। इसका बड़ा फ्रेमवर्क 1964-66 के एजुकेशन कमीशन से मिलता है, जो बाद में नेशनल पॉलिसी ऑन एजुकेशन, 1968 में दिखा। एनईपी 2020 ने इस सिद्धांत को नए सिरे से नहीं बनाया। इसने बहुभाषावाद को एक मुख्य शैक्षिक मूल्य के तौर पर बनाए रखा और इसे ज़्यादा लचीला और लर्नर-सेंटर्ड शब्दों में फिर से बनाया। इसलिए, अभी की चर्चा एक जाने-पहचाने आइडिया के क्रियान्वयन के एक नए स्टेज में आने के बारे में है।

यह नया फ्रेमिंग क्यों मायने रखता है? एनईपी 2020 'पढ़ाने और सीखने में मल्टीलिंगुअलिज़्म और भाषा की ताकत को बढ़ावा देने' पर ज़्यादा ज़ोर देता है। यह एक जानी-पहचानी भाषा के एजुकेशनल महत्व पर भी ज़ोर देता है। इसमें कहा गया है कि, जहां तक हो सके, पढ़ाई का माध्यम कम से कम ग्रेड 5 तक और बेहतर होगा कि ग्रेड 8 और उसके बाद भी घर की भाषा, मातृभाषा, स्थानीय भाषा या क्षेत्रीय भाषा हो। पॉलिसी के हिसाब से, बुनियादी सोच यह है कि जब बच्चों को उन भाषाओं में पढ़ाया जाता है जिन्हें वे अच्छी तरह जानते हैं, तो उनकी समझ, हिस्सा लेना और आत्मविश्वास मज़बूत होता है। इसमें आगे कहा गया है कि दूसरी भाषाओं को तब अलग-अलग ज़रूरतों के तौर पर थोपने के बजाय मज़बूत नींव पर बनाया जा सकता है।

स्कूली शिक्षा के लिए नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क (NCFSE) 2023 उस सोच को करिकुलम के रूप में तीन भाषाओं को R1, R2, और R3 के रूप में बताकर बदलता है। R1 आम तौर पर वह भाषा होती है, जिसमें सबसे पहले पढ़ाई-लिखाई बढ़ती है, मान लीजिए मातृभाषा; R2 और R3 स्कूल के सालों में सीखी गई दूसरी भाषाएं हैं। सीबीएसई की मौजूदा स्कीम सीधे इसी फ्रेमवर्क से ली गई है। इसका मुख्य नियम यह है कि पढ़ाई जाने वाली तीन भाषाओं में से कम से कम दो मूल भारतीय भाषाएं होनी चाहिए। यही वह नियम है जिसके इर्द-गिर्द मौजूदा चर्चा का ज़्यादातर हिस्सा घूम रहा है। यह एक करिकुलर सेफ़गार्ड है जिसे यह पक्का करने के लिए डिज़ाइन किया गया है कि भारतीय भाषाएं स्कूल की पढ़ाई में सिर्फ एक हिस्सा न होकर, बल्कि सेंट्रल बनी रहें। हाल की पब्लिक डिबेट में हमेशा इस ज़रूरी फ़र्क को साफ़तौर पर नहीं बताया गया है।

थ्री-लैंग्वेज पॉलिसी को समझने के लिए केवल नौवीं-दसवीं क्लास पर ध्यान देना काफी नहीं है। एनईपी-2020 के तहत बहुभाषी शिक्षा को धीरे-धीरे विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसे माध्यमिक स्तर पर अचानक अतिरिक्त बोझ के रूप में जोड़ने का इरादा नहीं है। सीबीएसई ने 9 अप्रैल 2026 को जारी सर्कुलर में कहा था कि मान्यता प्राप्त स्कूल 2026-27 सत्र से छठी कक्षा और उससे ऊपर की कक्षाओं में 'आर-3' भाषा शुरू करें। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया था कि जिन स्कूलों में छठी कक्षा से 'आर-3' पढ़ाई जाएगी, वही भाषा आमतौर पर नौवीं और दसवीं कक्षा में भी जारी रहेगी। यानी छात्र माध्यमिक स्तर तक पहुंचते-पहुंचते उस अतिरिक्त भाषा से पहले ही परिचित हो चुके होंगे।

छठी और सातवीं कक्षा के पाठ्यक्रम में भी यह स्पष्ट किया गया है कि तीसरी भाषा का उद्देश्य छात्रों पर अतिरिक्त शैक्षणिक दबाव डालना नहीं है। इसमें रोजमर्रा की बातचीत, पढ़ने और सरल लेखन जैसे छोटे पैराग्राफ, पत्र और निमंत्रण पत्र लिखने का अभ्यास कराया जाएगा। लक्ष्य यह है कि छात्र उस भाषा का व्यावहारिक उपयोग सीखें न कि तुरंत उस भाषा में विशेषज्ञ बन जाएं।

यहां दो बातें महत्वपूर्ण हैं। पहली, इस नीति को दंडात्मक नहीं बल्कि विकासोन्मुखी नजरिए से देखा जाना चाहिए। दूसरी, जब नौवीं कक्षा में त्रिभाषा फॉर्मूला लागू होगा, तो उसे छठी कक्षा से शुरू हुई प्रक्रिया के अगले चरण के रूप में समझना चाहिए।

सीबीएसई ने 15 मई 2026 के सर्कुलर में कहा कि 1 जुलाई 2026 से नौवीं कक्षा के छात्रों को 'आर-1', 'आर-2' और 'आर-3' के तहत तीन भाषाएं पढ़नी होंगी, जिनमें कम-से-कम दो भारतीय भाषाएं होंगी। इसमें यह भी स्पष्ट किया गया है कि 'आर-3' के तहत विदेशी भाषा भी पढ़ी जा सकती है, बशर्ते बाकी दो भाषाएं भारतीय हों। 'आर-3' के लिए दसवीं बोर्ड परीक्षा नहीं होगी। इसका मूल्यांकन स्कूल स्तर पर होगा।

सीबीएसई का कहना है कि 19 अनुसूचित भाषाओं की पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध कराई जाएंगी। अन्य भारतीय भाषाओं के लिए एससीईआरटी और राज्यों के दूसरे संसाधनों का उपयोग किया जा सकता है। शिक्षकों की उपलब्धता भी एक बड़ी चुनौती है। स्कूल 'सहोदय' समूहों के जरिए एक-दूसरे से सहयोग ले सकते हैं। वर्चुअल या मिश्रित शिक्षण व्यवस्था का उपयोग कर सकते हैं। सेवानिवृत्त शिक्षकों और योग्य स्नातकोत्तर छात्रों की मदद भी ली जा सकती है।

यह कहना सही नहीं होगा कि व्यावहारिक समस्याओं को नजरअंदाज करके यह योजना लागू की जा रही है। असली सवाल यह है कि क्या इन चुनौतियों से निपटने की व्यवस्था बनाई जा रही है। इस बहस में बहुभाषावाद के बड़े शैक्षणिक महत्व को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। हर देश की परिस्थितियां अलग होती हैं, लेकिन एक बात समान है–बहुभाषी क्षमता को शिक्षा की एक महत्वपूर्ण ताकत माना जाता है। सीबीएसई की योजना यह नहीं कहती कि पूरे देश के सभी बच्चों को एक ही भाषा पढ़नी होगी। यह केवल यह कहती है कि 'एनसीएफएसई-2023' के तहत तीन भाषाएं पढ़ी जाएं, जिनमें कम-से-कम दो भारतीय भाषाएं हों। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया है कि 'आर-3' कोई दंडात्मक बोर्ड विषय नहीं होगा। विदेशी भाषाओं के अध्ययन का विकल्प भी खुला रहेगा। अब समय आ गया है कि स्कूल सीबीएसई की त्रिभाषा योजना को लागू करें।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

सुप्रभात

जाने किस पल झरें डाल से
पीले पत्ते हम।
किसलय सी कोमलता तो अब
बस यादों में है।
पुलकित रहने वाला मन
अब अवसादों में है।
कभी तुरुप के इक्के थे
अब अट्ठे – सत्ते हम॥
अब न हरे बांसों के
मंडप पर हम सजते हैं।
पुरवैया के हाथों
खड़तालों से बजते हैं।
अबतो जैसे बिना शहद के
रीते छत्ते हम॥
सहते सहते धूप
हरापन हमसे रूठा है।
स्वयं हमारी देह
दिखाती हमें अंगूठा है।
जगह–जगह से फटे
पुराने कपड़े लत्ते हम॥
विरुदावली सुनाने वाले
नजर न आते हैं।
निपट निठल्ले भी
उलहाने देकर जाते हैं।
बस, कबाड़ के
खाली खोकों वाले गत्ते हम॥

- डॉ. राम वल्लभ आचार्य

मातृ शक्ति का आशीर्वाद बना संबल

विकास पथ पर लगातार आगे बढ़ रहा है मप्र : सीएम

● आर्थिक स्वावलंबन की नई इबारत: लाड़ली बहना योजना से सशक्त हो रहीं प्रदेश की महिलाएं

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बुन्देलखंड की धरती ने अपने गौरवशाली अतीत को संजोकर रखा है। बुन्देलखंड के वीरों ने अतीत से लेकर आज तक देश के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर किया है। मातृ शक्ति का आशीर्वाद सरकार के लिए संबल प्रदान कर रहा है। उनकी सहभागिता एवं नेतृत्व के माध्यम से आज मध्यप्रदेश विकास पथ पर आगे बढ़ता हुआ भारत को विकसित बनाने में अपना सहयोग दे रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव सागर जिले के केसली में रविवार को आयोजित लाड़ली बहना सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लगभग 190.85 करोड़ रुपये की लागत के 53 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन करते हुए शिलापट्टिका का अनावरण किया। इसमें लगभग 68.83 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 25 निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं 122.02 करोड़ रुपये की लागत से 28 कार्यों का भूमि-पूजन कर लाड़ली बहना योजना की 37वीं किस्त भी जारी की।

जनसामान्य में दिखा अपार उत्साह, मुख्यमंत्री ने लाड़ली बहनों पर की पुष्पवर्षा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का सागर जिले के देवरी विधानसभा अंतर्गत केसली ब्लॉक में यह पहला और महत्वपूर्ण आगमन था। मुख्यमंत्री बनने के बाद इस क्षेत्र में उनका यह पहला दौरा था, जिसे लेकर स्थानीय जनता और प्रशासन में भारी उत्साह देखने को मिला। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रैंप से लाड़ली बहनों के बीच पहुंचकर पुष्पवर्षा की। मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर कार्यक्रम में उपस्थित लाड़ली बहनों में उत्साह एवं उल्लास देखने को मिला। इस अवसर पर महिलाओं ने धन्यवाद लाड़ले भैया लिखे प्लेकार्ड प्रदर्शित कर मुख्यमंत्री के प्रति अपना आभार व्यक्त किया।

हम देवरी को देवपुरी बनाएंगे, आप प्रस्ताव भेजिए

मुख्यमंत्री ने क्षेत्र को करोड़ों रुपये के विकास कार्यों की सौगात देते हुए देवरी का नाम बदलकर 'देवपुरी' करने की घोषणा की। देवरी विधायक बृजबिहारी पटेरिया की मांग पर सीएम ने मंच से कहा, 'आप कलेक्टर के माध्यम से प्रस्ताव भिजवाइए, हम देवरी को देवपुरी बनाएंगे।' उन्होंने केसली में सांदीपनि विद्यालय सेकण्ड फेज का कार्य प्रारंभ करने, शासकीय हाई स्कूल चिरचिटा सुखजू में हायर सेकण्डरी स्कूल तक उन्नयन करने, शासकीय हाई स्कूल देवरी, नाहरमऊ, नन्ही देवरी का उन्नयन करने, कृषि उपज मंडी केसली का नाम रानी अवंतिबाई के नाम पर रखने, देवरी में 100 बिस्तरों का अस्पताल स्टाफ सहित प्रारंभ करने की घोषणा की। वहीं मुख्यमंत्री ने केसली क्षेत्र में थावरी जलाशय (लागत लगभग 550 करोड़) की योजना को स्वीकृति दी तथा कहा कि किसानों की इस बहुप्रतीक्षित मांग से क्षेत्र में कृषि के क्षेत्र में क्रांति आएगी। मुख्यमंत्री ने देवरी में प्याज और लहसुन की खरीदी के लिए मंडी में खरीदी केन्द्र बनाने की घोषणा की। शासकीय महाविद्यालय देवरी में विज्ञान संकाय तथा कला संकाय में राजनीति विषय का आरंभ करने, केसली महाविद्यालय में कला एवं वाणिज्य संकाय में स्नातकोत्तर कक्षाएं प्रंरभ करने, देवरी नगर का नाम देवपुरी करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्थानीय लोगों की मांग के अनुरूप देवखंडेराव मंदिर का पर्यटन स्थल के रूप में विकास किया जाएगा।

प्रदेश में हुए अलग-अलग हादसे में 6 की मौत

रीवा-जबलपुर में 4 डूबे, तिघरा डैम में 2 एमबीबीएस छात्रों की गई जान

रीवा/ग्वालियर/जबलपुर (नप्र)। मध्य प्रदेश में शनिवार-रविवार को 3 अलग-अलग हादसों में 6 युवकों की मौत हो गई। रीवा की तमस नदी और जबलपुर की नर्मदा नदी में नहाने गए दो-दो दोस्तों की डूबने से जान चली गई, जबकि ग्वालियर के तिघरा डैम में पिकनिक मनाने पहुंचे एमबीबीएस के दो छात्र गहरे पानी में समा गए। सभी शव बरामद कर लिए गए हैं। रीवा हादसे में उत्तर प्रदेश के शंकरगढ़ निवासी कुणाल मिश्रा (19) और विशेष मिश्रा (18) की मौत हुई। जबलपुर के गौर चौकी क्षेत्र के ग्राम चौखड़ा निवासी ध्रुव पटेल (19) और सागर पटेल (17) की जान चली गई। वहीं, ग्वालियर के तिघरा डैम हादसे में सागर जिले के बीना निवासी गोपाल अग्रवाल और बिहार के मुजफ्फरपुर निवासी आयुष श्रीवास्तव की मौत हो गई।

तमस नदी में डूबे यूपी के 2 युवक

रीवा जिले की गौरा तमस नदी में रविवार को उत्तर प्रदेश के शंकरगढ़ थाना क्षेत्र के भारत नगर निवासी परिवार के 6 सदस्य नहाने पहुंचे थे। यह स्थान मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश की सीमा पर स्थित है। नहाते समय एक युवक अचानक गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। उसे बचाने के लिए दूसरा युवक भी नदी में कूद पड़ा, लेकिन गहराई अधिक होने के कारण दोनों डूब गए। परिजनों की चीख–पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया।

मुरैना में ट्रेन से कटकर 4 यात्रियों की मौत

इनमें 3 महिलाएं, एक बच्चा; आग की अफवाह से उतरे, दूसरी ट्रेन की चपेट में आए

मुरैना (नप्र)। मध्य प्रदेश के मुरैना जिले में ट्रेन से कटने से 4 लोगों की मौत हो गई। आग लगने की अफवाह के बाद उदयपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस से नीचे उतरे चार यात्री दूसरी ट्रेन की चपेट में आ गए। मरने वालों में तीन महिलाएं और एक बच्चा शामिल है। जानकारी के अनुसार, ग्वालियर की ओर से मुरैना जा रही उदयपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस में किसी वजह से आग लगने की अफवाह फैल गई। इसी दौरान पास के ट्रैक पर धौलपुर की ओर से पातालकोट एक्सप्रेस गुजर रही थी।ट्रेन से उतरे यात्रियों को दूसरी लाइन पर तेज रफ्तार से आ रही पातालकोट एक्सप्रेस का अंदाजा नहीं लग सका। तीन महिलाएं और एक बच्चा ट्रेन की चपेट में आ गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

100 फीसदी इथेनॉल से चलेंगी गाड़ियां, सरकार ने दी मंजूरी

गडकरी बोले-6 हफ्ते में कंपनियां इसके लिए गाड़ियां लॉन्च करेंगी, प्रदूषण और पेट्रोल खर्च घटेगा

नागपुर (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने देश में 100 फीसदी शुद्ध इथेनॉल को बतौर ईंधन इस्तेमाल करने की मंजूरी दे दी है। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार, 13 जून को नागपुर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस फैसले से जुड़े नियमों और रेगुलेशंस को अंतिम रूप देने वाली फाइल पर उन्होंने साइन कर दिए हैं। इस कदम का मुख्य उद्देश्य देश की कच्चे तेल (फॉसिल फ्यूल) के इम्पोर्ट पर निर्भरता को कम करना और ट्रांसपोर्ट सेक्टर से होने वाले प्रदूषण को रोकना है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि देश के ऑटोमोबाइल सेक्टर ने इस बदलाव को स्वीकार कर लिया है और कई बड़ी कंपनियां 100 फीसदी इथेनॉल से चलने वाले वाहन बाजार में उतारने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

भारत अब दुनिया को दे रहा 'समाधान'

● फ्रांस में 'भारत इनोवेट्स 2026' कार्यक्रम में बोले पीएम मोदी

कहा-दोनों देश एक सोच से आगे बढ़ रहे, मैक्रों बोले- भारत इनोवेशन का देश

नीस (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस के नीस शहर में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात की। फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों ने गले मिल कर पीएम मोदी का स्वागत किया। पीएम मोदी और राष्ट्रपति मैक्रों ने भारत इनोवोट्स कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में भारत, फ्रांस और अन्य देशों के प्रमुख इनोवेशन स्टार्टअप और वेंचर कैपिटल फंड एक साथ आएंगे।

वैश्विक चुनौतियों के समाधान खोजने का प्रयास- फ्रांस के प्रधानमंत्री इमैनुएल मैक्रों के साथ 'भारत इनोवेट्स' के लॉन्च कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि दुनिया में अलग-अलग देश एक दूसरे के साथ व्यापार करते हैं और अलग-अलग देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी भी होती है लेकिन कुछ रिश्ते ऐसे होते हैं जो साझा रुचि के साथ-साथ साझा विजन से भी ड्राइव होते हैं। उन्होंने कहा कि भारत और फ्रांस का रिश्ता कुछ ऐसा ही है। इस रिश्ते भी जुड़ाव, दृढ़ विश्वास, नवाचार, प्रेरणा, साझा मूल्य, साझा विजन भी है और इसी रिश्ते की नींव पर बीते वर्षों में हमने काम किया है।

भारत का नौजवान मानवता के हित में समस्याओं के समाधान ढूंढ रहा

प्रधानमंत्री मोदी में कहा कि इस रिवॉल्यूशन में भारत का नौजवान एक नए माइंड सेट के साथ मानवता के हित में समस्याओं के समाधान ढूंढ रहा है। भारत इनोवोट्स हमारे नौजवानों के विश्व–स्तरीय समाधान को ग्लोबल स्टेज पर लाने का ही माध्यम ही है। आज मैं गर्व से कह सकता हूं कि ये पहल उसी दिशा में एक कदम है। 'भारत इनोवेट्स' का ये मंच– भारत के टैलेंट और यूरोपियन कैपिटल के बीच एक ब्रिज बन रहा है। एक ऐसा प्लेटफॉर्म्स जहां भारत के यंग माइंड्स को यूरोपियन एक्सपर्टीज से जुड़ने का अवसर मिल रहा है।

बागी सांसद नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी में शामिल होंगे, बंगाल भाजपा प्रभारी और लोकसभा स्पीकर से मिले

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 20 बागी लोकसभा सांसदों ने पार्टी से अलग होकर नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी (एनसीपी) में विलय का ऐलान किया है। बागी गुट की नेता काकोली घोष दस्तीदार ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात के बाद कहा कि यह गुट अब पीएम मोदी के नेतृत्व में एनडीए के साथ मिलकर काम करेगा। काकोली ने दावा किया कि उनके साथ आए सांसद TMC की कुल लोकसभा ताकत के दो–तिहाई से ज्यादा हैं, इसलिए यह विलय संविधानिक रूप से मान्य है। वहीं बागी सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय ने कहा कि असली TMC कौन है, इसका फैसला अब अदालत करेगी। काकोली के नेतृत्व में 17 बागी सांसदों ने रविवार को दिल्ली में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और बंगाल भाजपा प्रभारी भूपेंद्र यादव के आवास पर बैठक की। इसके बाद NCP में विलय की घोषणा की।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 20 °c | न्यूनतम 18°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ सोमवार, 15 जून 2026

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

संक्षिप्त समाचार

बिहार में सिपाही भर्ती परीक्षा में भारी बवाल, चले पत्थर

● पाटलिपुत्र स्टेशन पर पथराव-तोड़फोड़, कई ट्रेनें रोकीं

पटना (एजेंसी)। बिहार में सिपाही भर्ती परीक्षा हो रही है। परीक्षा शुरू होने से पहले पाटलिपुत्र रेलवे स्टेशन पर छात्रों ने जमकर हंगामा किया। परीक्षा देने पहुंचे छात्रों ने अव्यवस्थाओं का आरोप लगाया। मामले में 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। छात्रों ने कई ट्रेनों को रोक दिया था। स्टेशन पर दुकानों,

एग्जाम स्पेशल ट्रेन में तोड़फोड़ की। इसके चलते कांच के टुकड़े स्टेशन पर बिखर गए। आईजी जितेन्द्र राणा को हालात काबू करने के लिए फायरिंग करनी पड़ी। मौके पर पहुंचे पटना के डीएम डॉ. त्यागराजन ने बताया कि आधी रात के करीब हमें खबर मिली कि कुछ लोग हंगामा कर रहे हैं। हमने उनसे गुजारिश की कि वे हंगामा न करें और परीक्षार्थियों का सहयोग करें।

देहरादून में बजरंग दल नेता के मर्डर के बाद मचा बवाल

● मीडिया और पुलिस पर पथराव 3 घर और ट्रैक्टर भी जलाए

देहरादून (एजेंसी)। देहरादून के बैरागीवाला गांव में हिंदू और मुस्लिम पक्ष के बीच हुए विवाद में बजरंग दल से जुड़े विनोद कुमार की हत्या के बाद हालात तनावपूर्ण हो गए हैं। रविवार को गुस्साए लोगों ने आरोपियों के 3 घरों और ट्रैक्टर में आग लगा दी

और मौके पर पहुंची पुलिस व मीडिया पर भी पथराव किया। इस दौरान एसपी सिटी समेत तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए। गुस्साई भीड़ ने अब देहरादून-हरबर्टपुर हाईवे, जो हिमाचल प्रदेश को जोड़ता है, पर जाम लगा दिया है। मौके पर आला अधिकारी उन्हें समझा रहे हैं। इस दौरान भीड़ ने पुलिस अधिकारियों के साथ अभद्रता भी की। हालात बिगड़ते देख पुलिस ने लाठीचार्ज किया है।

असम में 18+उम्र वालों का नहीं बनेगा आधार कार्ड

● सरकार बोली-अवैध घुसपैठियों को रोकना है मकसद

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम सरकार ने अवैध घुसपैठ रोकने के लिए आधार कार्ड के नियम सख्त कर दिए हैं। अब राज्य में 18 साल से ज्यादा उम्र के लोगों को नया आधार कार्ड नहीं मिलेगा। सरकार का कहना है कि इसका मकसद अवैध बांग्लादेशियों को

आधार कार्ड हासिल करने से रोकना है। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की अध्यक्षता में शनिवार को हुई कैबिनेट की बैठक में यह फैसला लिया गया। सीएम सरमा ने कहा कि 18 साल से ज्यादा उम्र के किसी व्यक्ति को आधार कार्ड लेने के लिए विशेष मंजूरी लेनी होगी। जिला आयुक्त प्रस्ताव भेजेंगे, जिसके बाद राज्य सरकार पात्रता की जांच करेगी। फिलहाल एससी-एसटी को छूट दी गई है।

पंजाब में ओबीसी वोट बैंक पर है बीजेपी का फोकस

● महासम्मेलनों के जरिए अब आम लोगों तक पहुंचेगी पार्टी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) पर फोकस कर रही है। राज्य के ओबीसी मतदाताओं तक पहुंचने के लिए बीजेपी ने बड़े पैमाने पर जनसंपर्क अभियान शुरू कर दिया है। बीजेपी ने फाजिल्का जिले के अबोहर में सर्व समाज ओबीसी महासम्मेलन करके इस दिशा में पहला कदम बढ़ा दिया है। ओबीसी महासम्मेलन में फाजिल्का, फिरोजपुर और श्री मुक्तसर साहिब जिलों में आने वाले 10 से 15 विधानसभा क्षेत्रों से लोग आए। इन तीनों ही जिलों में ओबीसी मतदाताओं की संख्या काफी ज्यादा है। सर्व समाज ओबीसी महासम्मेलन का आयोजन पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ के गृह नगर अबोहर में किया जाना भी पार्टी की रणनीति का हिस्सा है। जाखड़ कई बार अबोहर सीट से विधायक रहे हैं।

अकेले चुनाव मैदान में उतरने का ऐलान

इस बीच, पार्टी ने फैसला किया है कि वह पंजाब में सभी 117 सीटों पर अकेले ही चुनाव मैदान में उतरेगी हालांकि पार्टी ने इसका संकेत पहले भी दिया था लेकिन बीते दिन दिल्ली में हुई अहम बैठक में इस पर अंतिम मुहर लगा दी गई। इस बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, पार्टी के महासचिव (संगठन) बीएल संतोष भी मौजूद रहे। बैठक में अमित शाह ने पार्टी नेताओं से कहा कि वे पंजाब में लोगों तक पहुंचने के लिए जमीन पर काम करें। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नितिन 20 से 22 जून तक पंजाब के दौरे पर रहेंगे। हाल ही में पार्टी ने जट सिख समुदाय से आने वाले केवल सिंह ढिल्लों को प्रदेश अध्यक्ष बनाया था। पंजाब बीजेपी में इन दिनों सियासी हलचल तेज है।

● पंजाब में सक्रिय हैं नायब सिंह सैनी

बीजेपी ने पिछले कुछ महीनों में अपने बड़े ओबीसी चेहरे और पड़ोसी राज्य हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पंजाब में सक्रिय किया है। ओबीसी महासम्मेलन में नायब सिंह सैनी, सुनील जाखड़ के साथ ही पार्टी के कई बड़े नेता मौजूद रहे। बीजेपी ने हरियाणा में ओबीसी बिरादरी से आने वाले कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा, पूर्व विधायक रामचंद्र कंबोज की भी पंजाब में ड्यूटी लगाई है। दोनों ही नेता इस इलाके में स्थानीय समुदायों और पार्टी कार्यकर्ताओं के लगातार संपर्क में बने हुए हैं। 2025 की मतदाता सूची के मुताबिक, पंजाब में लगभग 2.14 करोड़ पंजीकृत मतदाता हैं। अनुमान है कि यहां लगभग 32 फीसदी अनुसूचित जाति के और 31-32 फीसदी ओबीसी समुदाय के मतदाता हैं। इससे पता चलता है कि राज्य में ओबीसी समुदाय भी राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। इस तरह, बीजेपी पंजाब में ओबीसी कार्ड खेलकर एक नया सामाजिक गठबंधन बनाने की कोशिश कर रही है। अगर पार्टी ओबीसी मतों में सेंधमारी करने में कामयाब रहती है तो उसे पंजाब में कुछ सीटों पर कामयाबी मिल सकती है। पंजाब में अगले साल की शुरुआत में विधानसभा के चुनाव होने हैं लेकिन आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने हाल ही में दावा किया था कि राज्य में इस साल नवंबर में भी विधानसभा के चुनाव हो सकते हैं। पंजाब में बीजेपी बड़ी राजनीतिक ताकत नहीं है।

राज्य सरकार प्रदेश में रोजगारपरक उद्योगों की स्थापना को कर रही है प्रोत्साहित : मुख्यमंत्री

● पीएम मोदी के सुशासन के 12 वर्ष से देशवासियों को सिंहस्थ के समान अमृत स्नान का प्राप्त हुआ अवसर

● मुख्यमंत्री ने सिंगल क्लिक से 900 एमएसएमई यूनिट्स को 360 करोड़ रुपये से अधिक की वितरित की प्रोत्साहन राशि

वर्ष 2047 तक प्रदेश में एक करोड़ एमएसएमई की जाएंगी स्थापित

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग भारतीय अर्थव्यवस्था का आधार है। छोटे उद्योग करोड़ परिवारों को रोजगार उपलब्ध करा रहे हैं। राज्य सरकार प्रदेश में रोजगारपरक उद्योगों की स्थापना को निरंतर प्रोत्साहित कर रही है। हमारा उद्देश्य वर्ष 2047 तक प्रदेश में एक करोड़ एमएसएमई स्थापित करने का है। सूक्ष्म, लघु, और मध्यम उद्यम प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। हर जिले में उद्योग, हर परिवार में रोजगार और हर युवा को अवसर देना राज्य सरकार का लक्ष्य है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत, दुनिया की प्रमुख आर्थिक शक्ति के रूप में उभर रहा है। जिस प्रकार हर 12 वर्ष में सिंहस्थ स्नान का अवसर मिलता है, उसी प्रकार प्रधानमंत्री श्री मोदी के सुशासन के 12 वर्ष से देशवासियों को अमृत स्नान का अवसर प्राप्त हुआ है। बीते 12 वर्षों में प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में एमएसएमई क्षेत्र का कायाकल्प हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में एमएसएमई उद्यमियों, स्टार्ट-अप्स तथा अन्य योजनाओं के हितग्राहियों को सिंगल क्लिक से प्रोत्साहन राशि और हितलाभ वितरण के लिए आयोजित 'समृद्ध एमएसएमई- विकसित मध्यप्रदेश' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

● एमएसएमई क्षेत्र सबसे अधिक रोजगार देने वाला क्षेत्र है- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उद्यमियों को उद्योग स्थापित करने के लिए रियायती दरों पर भूमि उपलब्ध कराने के लिए नियमों को सरल किया गया है। पिछले ढाई वर्षों में 30 नए औद्योगिक क्षेत्र और 14 क्लस्टर स्वीकृत किए गए हैं। साथ ही 1 हजार 63 भूखंड, उद्यमियों को आवंटित किए जा चुके है। आने वाले ढाई वर्षों में 60 नए औद्योगिक क्षेत्र और क्लस्टर विकसित करने और 6 हजार से अधिक भू-खंड नए उद्यमियों को देने का लक्ष्य है। सरकार द्वारा दी जा रही सहायता केवलू अनुदान नहीं, बल्कि उद्यमियों के सपनों को गति देने का माध्यम है। इससे नए उद्योग स्थापित होंगे, उत्पादन बढ़ेगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। एमएसएमई क्षेत्र सबसे अधिक रोजगार देने वाला क्षेत्र है। प्रदेश के युवाओं, महिलाओं और ग्रामीण उद्यमियों को इससे नए अवसर प्राप्त होंगे। मध्यप्रदेश के उत्पाद अब राष्ट्रीय ही नहीं, अंतर्राष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच रहे हैं। सरकार तकनीक, वित्त और आवश्यक मार्गदर्शन देकर स्थानीय उद्यमों को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है।

● स्टार्ट-अप रैंकिंग में मध्यप्रदेश को लीडर श्रेणी का सम्मान मिला- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश के स्टार्टअप आज देशभर में अपनी अलग पहचान बना रहे हैं।

मुख्यमंत्री का औद्योगिक संगठनों ने किया अभिनंदन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंगल क्लिक से 900 एमएसएमई यूनिट्स को 360 करोड़ से अधिक की प्रोत्साहन राशि का वितरण किया। साथ ही 31 मार्च 2026 तक की समस्त देयताओं का भुगतान किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 6 ईटीपी निर्मित करने वाली इकाइयों को दो करोड़ 02 लाख की रुपये सहायता, विशेष पैकेज के तहत इकाइयों को एक करोड़ 07 लाख रुपये मण्डीशुल्क की प्रतिपूर्ति और 11 इकाईयों का विद्युत टैरिफ रुपए तीन करोड़ 69 लाख रुपये का वितरण सिंगल क्लिक से किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के तहत ऋण राशि, भू-आवंटन पत्रक तथा स्टार्टअप नीति 2025 के अंतर्गत प्रोत्साहन राशि का वितरण भी किया। विभिन्न औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का अभिनंदन किया। इस अवसर पर लघु उद्योग भारती के प्रदेश अध्यक्ष श्री राजेश मिश्रा, अलाना ग्रुप के संस्थापक सुश्री राशि बहल मेहरा और उद्यमी श्री कुणाल ज्ञानी ने मध्यप्रदेश में उद्यम स्थापित करने के संबंध में अपने अनुभव साझा किए।

किसान की बिजली काटी वन विभाग ने, पर झेलना पड़ा विद्युत कंपनी को

उपभोक्ता आयोग ने नहीं सुनी कोई दलील

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने बिजली आपूर्ति में रुकावट के एक मामले में विद्युत वितरण कंपनी के ढुलमुल रवैये पर कड़ी नाराजगी जताई है।

आयोग ने एक किसान के पक्ष में फैसला सुनाते हुए बिजली कंपनी को रू. 20,000 का मुआवजा और अदालती खर्च देने का निर्देश दिया है। जस्टिस सुनीता यादव (अध्यक्ष) और मोनिका मलिक (सदस्य) की पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए स्पष्ट किया कि उपभोक्ता के परिसर में बिजली आपूर्ति को बहाल करना पूरी तरह से यूटिलिटी कंपनी की ही जिम्मेदारी है।

क्या था पूरा मामला ?

यह विवाद तब शुरू हुआ जब पीड़ित किसान ने अपनी कृषि भूमि पर बिजली कनेक्शन और डीपी लगाने के लिए नई पंप कनेक्शन सब्सिडी योजना के तहत आवेदन किया था। बिजली कंपनी के निर्देशों का पालन करते हुए किसान ने 2.04 लाख की राशि भी जमा कर दी थी। किसान का आरोप था कि कंपनी ने उसके खेत में बिजली के खंभे तो खड़े कर दिए, लेकिन न तो बिजली चालू की और न ही डीपी लगाई। इस लापरवाही के कारण किसान को खेती के काम में भारी नुकसान उठाना पड़ा, जिसके बाद उसने जिला उपभोक्ता आयोग का दरवाजा खटखटाया।

वन विभाग का पेंच और कंपनी के खोखले दावे- एमपी मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ने जिला आयोग के 2016 के आदेश को चुनौती देते हुए दलील दी थी कि उन्होंने खंभे गाड़कर और तार जोड़कर अपना काम पूरी तरह से किया था।

बाद में जांच में पता चला कि वन विभाग ने इस बिजली आपूर्ति को बाधित कर दिया था। हालांकि, कोर्ट ने पाया कि बिजली कंपनी ने जनवरी 2015 में ही इस संबंध में वन विभाग को पत्र लिखा था, जिससे साबित होता है कि कंपनी इस व्यवधान से पूरी तरह वाकिफ थी। इसके बावजूद उन्होंने अदालत के सामने यह दावा किया कि उन्हें इस बात की जानकारी जिला आयोग का नोटिस मिलने के बाद हुई, जो उनकी अज्ञानता और लापरवाही को दर्शाता है।

हम हिटलर जैसे नहीं, खुले रखने होंगे बातचीत के दरवाजे

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने पाकिस्तान को लेकर दिए बयान में होसबोले का किया बचाव

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने पाकिस्तान के साथ बातचीत का रास्ता खोलने की वकालत करने वाले वरिष्ठ आरएसएस पदाधिकारी दत्तात्रेय होसबोले के बयानों का बचाव करते हुए कहा कि वे पड़ोसी देश के लोगों के बारे में बात कर रहे थे।

मई में होसबोले की टिप्पणियों पर आरएसएस के नजरिए के बारे में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए भागवत ने कहा कि संगठन पाकिस्तान के मामले में केंद्र सरकार की नीति का पालन करेगा। उन्होंने शनिवार को आरएसएस की शताब्दी के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, लेकिन पाकिस्तान में बहुत से लोग ऐसे हैं जो मानते हैं कि भारत का बंटवारा गलत था और वहां के कई पत्रकार आरएसएस और उसके काम की तारीफ करते हैं। वहां ऐसे लोगों की एक बड़ी संख्या है जो पाकिस्तान-विरोधी हैं और दो-राष्ट्र सिद्धांत के खिलाफ हैं। उनका कहना है कि साथ रहना ही बेहतर था।

खुले रखने होंगे बातचीत के दरवाजे

भागवत ने कहा कि अगर भविष्य में भारत पाकिस्तान को बुरी तरह हरा देता है तो वहां के लोगों को या तो भारत में शामिल करना होगा या फिर उन्हें उसी देश में शांति से रहने लायक बनाना होगा। उन्होंने कहा, और इसके लिए बातचीत के दरवाजे खुले रखने होंगे। उन्होंने आगे कहा, हम हिटलर जैसे नहीं हैं। यह हमारा स्वभाव या तरीका नहीं है। इसलिए हमें कुछ रास्ते खुले रखने चाहिए। हमें अन्याय और अत्याचार को खत्म करना चाहिए, लेकिन जो अच्छा है उसे बचाकर भी रखना चाहिए। भागवत ने जोर देकर कहा कि किसी भी देश के मामले में आरएसएस की कोई स्वतंत्र विदेश नीति नहीं है और वह केंद्र सरकार के रुख का ही पालन करती है। जब उनसे पूछा गया कि भारत को पाकिस्तान और उसके द्वारा लगातार आतंकवाद को बढ़ावा देने के मामले से कैसे निपटना चाहिए तो होसबले ने कहा था, देश की सुरक्षा और आत्म-सम्मान की रक्षा होनी चाहिए और मौजूदा सरकार को इसका ध्यान रखना चाहिए। लेकिन साथ ही हमें बातचीत के दरवाजें बंद नहीं करने चाहिए। हमें उनसे बातचीत करने के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए।

सीट बंटवारे के लिए बेकरार होने लगे सहयोगी

● यूपी चुनाव 2027 को लेकर एनडीए के छोटे दल परेशान, बीजेपी से लगाई गुहार

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव फरवरी-मार्च 2027 में होने की संभावना है। चुनाव में फिलहाल कम से कम 8 महीने बाकी हैं लेकिन गठबंधनों में सीटों के बंटवार को लेकर खलबली होने लगी है। विपक्ष के इंडिया गठबंधन, जिसमें मुख्य रूप से समाजवादी पार्टी और कांग्रेस शामिल है, में सीटों के लिए रस्साकशी के संकेत कई दिन पहले से मिलने लगे थे। अब सत्ता पक्ष एनडीए में भी सीटों के लिए खास तौर पर छोटे दल व्याकुल नजर आने लगे हैं। वे एनडीए का नेतृत्व करने वाली बीजेपी की ओर से सीटों के बंटवारे का फैसला जल्दी चाहते हैं।

● इंडिया गठबंधन में सीट बंटवारे की रणनीति तय

नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस का नेतृत्व करने वाली बीजेपी ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में सीटों के बंटवारे को लेकर अब तक कोई संकेत नहीं दिए हैं। दूसरी तरफ यूपी में इंडिया गठबंधन का नेतृत्व करने वाली समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष ने यह तय कर दिया है कि वे सहयोगी दलों को सिर्फ वे सीटें देंगे जिन पर उनका उम्मीदवार मजबूत हो और जीत का दावा पक्का हो। बीजेपी सीटों के बंटवारे में क्या रणनीति अपनाने वाली है, फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है।

21 जून के बाद बैठक करने का आश्वासन

एनडीए की बैठक के एक दिन बाद यह दोनों नेता दिल्ली में बीजेपी मुख्यालय पहुंचे। वहां उन्होंने बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात की। उन्होंने नितिन नवीन के सामने भी जल्द सीट बंटवारे का फॉर्मूला तय करने की मांग दोहराई। उन्होंने पूर्व में उत्तर प्रदेश में पार्टी का कामकाज संभालते रहे बीजेपी के महासचिव सुनील बंसल से भी बातचीत की। सूत्रों के मुताबिक, बीजेपी नेताओं ने सहयोगी दलों को 21 जून के बाद बैठक करने का आश्वासन दिया है। तब तक मोदी सरकार के 12 साल पूरे होने पर आयोजित किए जा रहे कार्यक्रम समाप्त हो जाएंगे।

'ऑपरेशन टाइगर' की चर्चा से डर गए उद्धव

● बैठक में नहीं पहुंचे कई सांसद, फोन भी किया बंद

लोकसभा में और बढ़ जाएगा एनडीए का नंबर

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की सियासत में एक बार फिर बड़े उलटफेर के संकेत मिल रहे हैं। शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट

की धड़कनें बढ़ाने वाली एक बड़ी खबर सामने आई है। पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने आज यानी रविवार को मुंबई स्थित अपने घर मातोश्री पर पार्टी के सभी सांसदों की एक बेहद महत्वपूर्ण और आपातकालीन बैठक बुलाई थी। लेकिन इस संवेदनशील बैठक के शुरू होने से कुछ घंटे पहले ही शिरडी लोकसभा सीट से सांसद भाऊसाहेब वाकचौरे पहुंच से बाहर हो गए। वहीं, दो और सांसद इसमें शामिल होने के लिए नहीं पहुंचे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, उद्धव ठाकरे ने दिल्ली में मौजूद अपने सभी सांसदों को तुरंत मुंबई पहुंचने के निर्देश दिए थे। यह बैठक दोपहर साढ़े बारह बजे मातोश्री पर आयोजित की गई है। बैठक में विशेष चर्चा होनी थी।

शिंदे का 'ऑपरेशन टाइगर' हुआ ऐक्टिव

महाराष्ट्र के राजनीतिक गलियारों में इस वक्त मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के ऑपरेशन टाइगर को लेकर जोरदार चर्चाएं चल रही हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इसी ऑपरेशन के डर से उद्धव ठाकरे ने यह आनन-फानन में बैठक बुलाई है। लोकसभा चुनाव में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले गुट शिवसेना यूबीटी के कुल 9 सांसद जीतकर आए हैं। पिछले कुछ दिनों से सत्तापक्ष और शिवसेना (शिंदे गुट) के नेताओं द्वारा लगातार यह दावा किया जा रहा है कि उद्धव गुट के 9 में से 7 सांसद संपर्क में हैं।

फराज पर थी बैचलर्स के ब्रेन वॉश की जिम्मेदारी

मप्र में नेटवर्क खड़ा करने का था टास्क; एटीएस पूरे नेटवर्क की कड़ियां खंगाल रही

भोपाल (नप्र)। भोपाल के काजी कैंप से गिरफ्तार मोहम्मद फराज उर्फ खालिद सैफुल्लाह से पूछताछ में जांच एजेंसियों को चौंकाने वाले इनपुट मिले हैं। सूत्रों के मुताबिक खालिद को पाकिस्तानी हैंडलर्स ने एमपी में नेटवर्क खड़ा करने, गरीब और बैचलर युवकों का ब्रेन वॉश करने और सोशल मीडिया के जरिए कट्टरपंथी सोच फैलाने का टास्क सौंप रखा था।

शुरुआती जांच में सामने आया है कि टेलीग्राम-वॉट्सएप ग्रुप्स के जरिए युवाओं को जोड़ने की कोशिश की जा रही थी। फराज सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए युवाओं को जोड़ने और संदिग्ध गतिविधियों से जुड़े वीडियो साझा करने के लिए ग्रुप बनाता था। अब एटीएस डिजिटल गतिविधियों, विदेशी फंडिंग और पूरे नेटवर्क की कड़ियां खंगाल रही है। इधर, फराज की निशानदेही पर उसके साथी नईम अब्दुल्ला को यूपी के देवबंद से शनिवार को गिरफ्तार किया गया। कोर्ट में पेशी के बाद दोनों को 16 जून तक रिमांड पर भेजा गया है। नईम ने ही फराज को पाकिस्तान में बैठे हैंडलर से जोड़ने में भूमिका निभाई थी।

काजी कैंप में फराज को घर से उठाया था

एटीएस की टीम ने गुरुवार तड़के करीब 3:30 बजे काजी कैंप स्थित फराज के घर दबिश दी थी। कार्रवाई को पूरी तरह गोपनीय रखा गया। करीब 12 अधिकारियों और कर्मचारियों की टीम में तीन महिला पुलिसकर्मी भी शामिल थीं। टीम ने पहले घर को चारों तरफ से घेर लिया, इसके बाद छत के रास्ते अंदर पहुंचकर फराज को हिरासत में लिया।

डॉक्टर के क्लीनिक पर काम करता था फराज

जांच एजेंसियों के मुताबिक, फराज मोहल्ले में ही एक डॉक्टर के क्लीनिक पर काम करता था। शुरुआती जांच में सामने आया है कि उसने देवबंद में रहकर धार्मिक शिक्षा ली थी। इसी दौरान उसकी मुलाकात सहारनपुर निवासी नईम अब्दुल्ला से हुई थी। नईम के जरिए फराज का संपर्क कथित रूप से विदेशी हैंडलर्स से हुआ। जांच एजेंसी को आशंका है कि दोनों के माध्यम से एक नेटवर्क तैयार करने की कोशिश की जा रही थी। अब एजेंसियां यह पता लगा रही हैं कि इस नेटवर्क से प्रदेश में कितने लोग जुड़े थे।

शरिया लागू करने की विचारधारा से प्रभावित

एटीएस ने भोपाल कोर्ट को बताया कि फराज का मोबाइल जब्त कर लिया गया है। उसकी फोरेंसिक जांच की जा रही है। जांच एजेंसियों को उम्मीद है कि मोबाइल डेटा से फराज के संपर्कों, गतिविधियों और कथित फंडिंग नेटवर्क से जुड़े लोगों के बारे में अहम जानकारी मिल सकती है।

एटीएस के अनुसार, फराज और नईम अब्दुल्ला साल 2047 तक देश में शरिया कानून लागू करने की विचारधारा से प्रभावित थे। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि कुछ कट्टरपंथी संगठन यह प्रचार करते हैं कि आजादी के बाद से विभिन्न सरकारों द्वारा एक विशेष समुदाय के साथ अन्याय किया गया है। जांच एजेंसियां इन दावों और आरोपियों के नेटवर्क की भी पड़ताल कर रही हैं।

सोशल मीडिया पर सक्रियता की जांच

पूछताछ में सामने आया है कि फराज चार वर्षों से टेलीग्राम और व्हाट्सएप जैसे प्लेटफॉर्म पर कई ग्रुप्स से जुड़ा हुआ था। एजेंसियां उसके मोबाइल फोन, सोशल मीडिया अकाउंट, चैट रिकॉर्ड और डिजिटल गतिविधियों की जांच कर रही हैं।

जांच में यह भी देखा जा रहा है कि फराज किन ग्रुपों में सक्रिय था और किस तरह की सामग्री साझा करता था। एजेंसियां उसके संपर्कों की सूची तैयार कर रही हैं, ताकि नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों तक पहुंचा जा सके। उसके मोबाइल की सीडीआर भी खंगाली जा रही है।

भोपाल की बॉक्सर माही लामा का भारतीय टीम में चयन

वर्ल्ड कप में दिखाएंगी दम, 60 किलो वर्ग में करेंगी देश का प्रतिनिधित्व

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश की युवा बॉक्सर माही लामा का चयन बॉक्सिंग वर्ल्ड कप 2026 के लिए भारतीय टीम में हुआ है। माही चीन में होने वाली इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में 60 किलोग्राम भार वर्ग में देश का प्रतिनिधित्व करेंगी। यह प्रतियोगिता 15 से 20 जून तक आयोजित होगी। भारतीय टीम शनिवार रात चीन के लिए रवाना हो गई है। माही लामा भोपाल स्थित राज्य बॉक्सिंग अकादमी में प्रशिक्षण ले रही हैं। उन्होंने पिछले कुछ सालों में कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन किया है। लगातार मेहनत और शानदार खेल के दम पर उन्होंने भारतीय टीम में जगह बनाई है।

अब वर्ल्ड कप पर नजर- माही का कहना है कि उनका पूरा फोकस अब वर्ल्ड कप में अच्छा प्रदर्शन करने पर है। वे देश के लिए पदक जीतकर भारत और मध्यप्रदेश का नाम रोशन करना चाहती हैं।

युवा खिलाड़ियों के लिए बनी मिसाल- माही की इस उपलब्धि को प्रदेश के युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायक माना जा रहा है। खेल विशेषज्ञों का कहना है कि मेहनत, अनुशासन और सही प्रशिक्षण के दम पर खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंच सकते हैं और माही इसका अच्छा उदाहरण हैं।

खेल मंत्री ने दी बधाई

प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने माही लामा को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के खिलाड़ी लगातार देश का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि माही वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन करेंगी और भारत के लिए बड़ी सफलता हासिल करेंगी।

मां के सामने छोटे तालाब में डूबा किशोर

- **मां से पार्क घूमने की जिद की थी; नहाते समय गहरे पानी में जाने से हुआ हादसा**

भोपाल (नप्र)। भोपाल के जहांगीराबाद थाना क्षेत्र में छोटे तालाब में डूबने से 15 वर्षीय किशोर अनस कुरैशी की मौत हो गई। अनस पुत्र सोहेल कुरैशी, बढ़ वाली मस्जिद जहांगीराबाद का रहने वाला था और मुखबधिर था। शनिवार शाम उसने अपनी मां से पार्क घूमने की जिद की। मां उसे लिली टॉकीज के पास स्थित पार्क में लेकर पहुंची। मां पार्क में बैठी रही, जबकि अनस नहाने के लिए छोटे तालाब के किनारे पानी में उतर गया।

नहाते समय वह अचानक गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। यह देख मां ने मदद की पुकार की, आसपास मौजूद लोगों ने शोर सुनकर मदद की और उसे पानी से बाहर निकाला। उस समय तक अनस की सांसें चल रही थीं। परिजन और स्थानीय लोगों ने उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उपचार शुरू किया। देर रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

जहांगीराबाद पुलिस ने शुरू की जांच

घटना की सूचना मिलने के बाद जहांगीराबाद पुलिस अस्पताल पहुंची और शव को पोस्टमार्ट्म के लिए भेजा। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि किशोर मां के साथ पार्क घूमने आया था और नहाने के दौरान हादसे का शिकार हो गया। पुलिस घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

इंदौर में सरपट दौड़ेगी मेट्रो भोपाल में सुस्त रफ्तार

भोपाल मेट्रो का काम महज 7 किलोमीटर पर अटक गया है

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश के दो सबसे प्रमुख शहरों में साल 2019 में एक साथ शुरू हुए मेट्रो प्रोजेक्ट्स आज बिल्कुल अलग मुकाम पर खड़े हैं। एक तरफ जहां इंदौर मेट्रो का फेज-1 इसी महीने से आम जनता के लिए व्यावसायिक रूप से शुरू होने जा रहा है, वहीं राजधानी भोपाल में मेट्रो की रफ्तार बेहद सुस्त पड़ी है। इंदौर ने करीब 17 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर पर ट्रायल पूरे कर कमर्शियल ऑपरेशंस की तैयारी कर ली है, जबकि भोपाल मेट्रो प्राथमिकता वाले महज 7 किलोमीटर के दायरे में सिमट कर रह गई है।

ग्राउंड जीरो पर जनता और कारोबारियों का दर्द

मेट्रो की इस कछुआ चाल का सीधा असर भोपाल की जनता और स्थानीय व्यापार पर पड़ रहा है। सिंधी कॉलोनी के पास एक स्थानीय दुकानदार ने अपनी नाराजगी जताते हुए कहा, हमसे वादा किया गया था कि मेट्रो एक साल में पूरी हो जाएगी, लेकिन यहां सिर्फ बैरिकेडिंग और साइनबोर्ड ही दिखते हैं। हमारा रोज का कारोबार ठप हो गया है। वहीं रोजाना सफर करने वाले यात्रियों का कहना है कि शहर में बसों के रूप में कोई बेहतर विकल्प नहीं है, और मेट्रो में लगातार हो रही देरी के कारण रोजाना भारी ट्रैफिक जाम और मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

संकट से उबरने के लिए सरकार को तत्काल कदम उठाना चाहिए: विशेषज्ञ- शहरी नियोजन विशेषज्ञों का मानना है कि भोपाल मेट्रो को इस स्थिति से निकालने के लिए सरकार को तत्काल कुछ कड़े कदम उठाने होंगे। एक्सपर्ट्स ने सलाह दी है कि प्रशासनिक मंजूरियों में तेजी लाई जाए, अटके हुए टेंडर पैकेजों का पुनर्मूल्यांकन हो और प्रोजेक्ट में टारगेटेड फंडिंग डाली जाए।

भोपाल में देरी की असल वजह क्या है?

मेट्रो प्रोजेक्ट्स से जुड़े एक विशेषज्ञ ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि इंदौर ने शुरुआत से ही कॉन्ट्रैक्ट्स और काम के निष्पादन को सही तरीके से संभाला, जिससे उनका प्रोजेक्ट पटरी पर रहा। इसके विपरीत, भोपाल मेट्रो का काम टुकड़ों-टुकड़ों में बांटे गए ठेकों, ठेकेदारों के आपसी विवादों और विभिन्न सरकारी एजेंसियों के बीच आपसी समन्वय की कमी के कारण बुरी तरह पिछड़ गया। भोपाल के मध्य और उपनगरीय इलाकों में एलिवेटेड और अंडरग्राउंड सेक्शन का काम अभी भी अधूरा है, जिसके पूरा होने में अब कम से कम दो साल का समय और लग सकता है।

महापौर और नपा अध्यक्षों के आरक्षण के लिए अफसर तय

भोपाल (नप्र)। मोहन यादव सरकार ने 2027 में होने वाले नगर निगम, नगरपालिका चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है। अभी चुनाव होने में डेढ़ साल का समय बाकी है लेकिन सरकार ने महापौर और नगरपालिका अध्यक्ष के पद के लिए आरक्षण की कार्रवाई कराने अधिकारी की जिम्मेदारी तय कर दी है।

नगरीय विकास और आवास विभाग द्वारा जारी आदेश के मुताबिक, आयुक्त नगरीय प्रशासन और विकास विभाग को इसके लिए अधिकृत अफसर घोषित कर दिया गया है। दूसरी ओर राज्य निर्वाचन आयोग भी इसी के मद्देनजर नगरीय निकायों की मतदाता सूची तैयार कराने में जुट गया है।

नगरीय प्रशासन और विकास विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार मध्यप्रदेश नगरपालिका (महापौर और अध्यक्ष) के पद का आरक्षण नियम 1999 के प्रावधान के अंतर्गत होगा। इसलिए नगरीय निकायों के आगामी निर्वाचन के लिए महापौर और अध्यक्ष पद के आरक्षण की कार्रवाई के लिए आयुक्त नगरीय प्रशासन और विकास अधिकृत होंगे। राज्य सरकार ने 12 जून को इसके आदेश जारी कर दिए हैं।

अमरकंटक ताप विद्युत गृह में 660 मेगावाट सुपर क्रिटिकल इकाई निर्माण कार्य को मिली नई गति

मुख्य बॉयलर क्षेत्र में उत्खनन कार्य प्रारंभ

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड द्वारा प्रदेश की विद्युत उत्पादन क्षमता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के उद्देश्य से अमरकंटक ताप विद्युत गृह, चचाई में स्थापित की जा रही नई 660 मेगावाट क्षमता की सुपर क्रिटिकल ताप विद्युत इकाई के निर्माण कार्य में तेजी लाई जा रही है। परियोजना के सबसे महत्वपूर्ण हिस्से मुख्य बॉयलर क्षेत्र में भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड की टीम द्वारा उत्खनन कार्य का शुभारंभ किया गया। उल्लेखनीय है कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना के प्रारंभिक चरण में अमरकंटक ताप विद्युत गृह की परियोजना टीम द्वारा उल्लेखनीय प्रयास करते हुए स्विच यार्ड क्षेत्र के बे-1 से बे-5 तक की भूमि को रिकॉर्ड समय में खाली कराकर समतलीकरण एवं अन्य साइट विकास संबंधी कार्य पूरे किए गए। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप निर्धारित समय-सीमा के अंतर्गत निर्माण गतिविधियों को गति प्रदान करना संभव हो सका। पुरानी एवं बंद हो चुकी इकाइयों के स्थान पर स्थापित की जा रही यह 660 मेगावाट क्षमता की अत्याधुनिक सुपरक्रिटिकल इकाई उच्च दक्षता वाली तथा पर्यावरणीय दृष्टि से अधिक अनुकूल तकनीक पर आधारित होगी।

परियोजना के निर्माण चरण की प्रथम प्रमुख उपलब्धि

कार्यपालक निदेशक (उत्पादन) तनवीर अहमद ने बताया है की मुख्य बॉयलर क्षेत्र में उत्खनन कार्य की शुरुआत परियोजना के निर्माण चरण की प्रथम प्रमुख उपलब्धियों में से एक है। आगामी चरणों में बॉयलर एवं अन्य महत्वपूर्ण संरचनाओं की नींव निर्माण एवं कंक्रीट कार्य किए जाएंगे। इसके पश्चात बॉयलर स्टील संरचना की स्थापना, टरबाइन-जनरेटर भवन निर्माण, प्रमुख उपकरणों की स्थापना, विद्युत प्रणालियों एवं सहायक सुविधाओं के कार्य तथा अंत में इकाई का परीक्षण एवं सफल कमीशनिंग किया जाएगा।

संवेदनशील और प्रभावी बाल संरक्षण के लिए तैयार होंगे सीडब्ल्यूसी सदस्य

राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

भोपाल (नप्र)। बाल संरक्षण तंत्र को अधिक संवेदनशील, प्रभावी और उत्तरदायी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत मध्यप्रदेश के 19 जिलों के बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के नवनियुक्त अध्यक्षों एवं सदस्यों के लिए 13 दिवसीय आवासीय इंडक्शन प्रशिक्षण सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के अंतर्गत कार्यरत स्वायत्त संस्था सावित्री बाई फुले राष्ट्रीय महिला एवं बाल विकास संस्थान द्वारा आर.सी.वी.पी. नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी, भोपाल में किया गया। एक से 13 जून 2026 तक आयोजित इस प्रशिक्षण में मध्यप्रदेश के 19 जिलों भोपाल, मंडला, डिंडोरी, भिंड, देवास, इंदौर, बड़वानी, खंडवा, बुरहानपुर, दतिया, हरदा, बालाघाट, दमोह, नर्मदापुरम, अनूपपुर, अशोकनगर, गुना, विदिशा और सीहोर से कुल 36 प्रतिभागियों ने सहभागिता की। प्रशिक्षण के दौरान विषय विशेषज्ञों ने किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम, 2015, बाल अधिकारों, बाल संरक्षण तंत्र, पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन प्रक्रियाओं तथा बाल कल्याण समितियों की वैधानिक जिम्मेदारियों पर विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया। प्रतिभागियों को व्यावहारिक अनुभव उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी, राजकीय बाल संरक्षण एवं मातृशक्ति बालिका गृह, एसओएस चिल्ड्रेन विलेज तथा ओपन शेल्टर होम का अध्ययन भ्रमण भी कराया गया।

उल्लेखनीय है कि सावित्री बाई फुले राष्ट्रीय महिला एवं बाल विकास संस्थान देश में महिला एवं बाल विकास क्षेत्र में प्रशिक्षण, अनुसंधान, परामर्श एवं प्रलेखन की अग्रणी संस्था है। यह मिशन सक्षम आंगनबाड़ी एवं मिशन वात्सल्य के अंतर्गत राष्ट्रीय नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करते हुए बाल संरक्षण एवं बाल अधिकारों से जुड़े मानव संसाधनों के क्षमता संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

14 वाहनों का काफिला लेकर जबलपुर पहुंचे केंद्रीय मंत्री

लोग बोले- ऐसे ईंधन बचाएंगे?, प्रदेश के सबसे बड़े फ्लाईओवर का किया निरीक्षण

जबलपुर (नप्र)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद रविवार को एक दिवसीय दौरे पर जबलपुर पहुंचे। उन्होंने कई कार्यक्रमों में हिस्सा लिया और रानी दुर्गावती फ्लाईओवर का निरीक्षण किया। हालांकि उनके दौरे से ज्यादा चर्चा उनके लंबे वाहन काफिले की रही।

केंद्रीय मंत्री के साथ करीब 14 वाहनों का काफिला शहर में चलता दिखाई दिया। काफिले में सुरक्षा, प्रशासनिक और प्रोटोकॉल से जुड़े वाहन शामिल थे। मंत्री के साथ प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह भी मौजूद रहे। इसे लेकर लोगों के बीच चर्चा रही।

लोगों ने कहा कि जब सरकार आम लोगों से ईंधन बचाने और अनावश्यक वाहन उपयोग कम करने की अपील करती है, तब वीआईपी दौरों में इतने बड़े काफिलों की जरूरत क्यों? इस तरह पेट्रोल-डीजल बचाएंगे?

12 साल में विकास कार्यों में तेजी आई- केंद्रीय मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हुए विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले 12 सालों में देश में सड़क, रेल, हवाई और शहरी अधोसंरचना के क्षेत्र में तेजी से काम हुआ है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार युवाओं के लिए रोजगार, कौशल विकास और आर्थिक सशक्तिकरण से जुड़ी नई नीतियों पर भी काम कर रही है, जिनका लाभ आने वाले समय में मिलेगा।

जनप्रतिनिधि और अधिकारी रहे मौजूद- निरीक्षण के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और भाजपा पदाधिकारी भी मौजूद रहे। मंत्री ने फ्लाईओवर निर्माण की गुणवत्ता की तारीफ करते हुए इसे विकसित भारत के संकल्प की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

फ्लाईओवर को बताया विकास का प्रतीक

रानी दुर्गावती फ्लाईओवर का निरीक्षण करते हुए जितिन प्रसाद ने परियोजना की सराहना की। उन्होंने कहा कि करीब 7 किलोमीटर लंबा यह फ्लाईओवर आधुनिक इंजीनियरिंग का बेहतरीन उदाहरण है।मंत्री ने कहा कि इस तरह की संरचना उन्होंने सालों पहले अमेरिका यात्रा के दौरान देखी थी और अब उसी स्तर का फ्लाईओवर जबलपुर में देखने को मिला है। उनके मुताबिक यह परियोजना शहर की पहचान बदलने के साथ यातायात व्यवस्था को भी बेहतर बनाएगी।

संपादकीय

अमेरिका के आगे बेबस भारत!

ओमान की खाड़ी में अमेरिकी हमले में तीन भारतीय नाविकों की मौत के गंभीर मामले में भी भारत का रूख अमेरिका के आगे मिमियाने वाला ही रहा है। यूं कहने को भारत ने नई दिल्ली स्थित अमेरिकी राजदूत को तलब कर इस घटना को लेकर अपनी गहरी नाराजगी जताई, लेकिन सार्वजनिक तौर पर एक बार भी अमेरिका का नाम नहीं लिया। जबकि यह बात जगजाहिर है कि अमेरिकी रॉकेट हमले में ही हमारे तीन नाविक मारे गए। भारत की नाराजगी के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस मामले को ईरान पर थोपने की कोशिश की, जिस पर उन्हीं के विदेश मंत्री ने सख्त बयान देकर पानी फेर दिया। यह भी संभव है कि यह मिला-जुला खेल हो। वैसे होर्मुज और ओमान की खाड़ी में भारतीय जहाजों अथवा भारतीय नाविकों पर चौथा हमला है, जबकि भारत इस लड़ाई में कहीं भी सीधे पक्षकार नहीं है। बावजूद इसके हकीकत यह है कि ईरान और अमेरिका दोनों से दोस्ती होने के बाद भी हमे कोई भी देश गांठ नहीं रहा है। उल्टे अमेरिकी विदेश मंत्री मार्क रूबियो ने चार भारतीय नाविकों की मौत पर दुख जताने और इसे गलती मानने की जगह भारत को ही यह कहकर हड़का दिया कि अमेरिकी नाकेबंदी का उल्लंघन और ईरानी तेल की अवैध ढुलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अमेरिकी विदेश मंत्रालय का यह बयान भारतीय विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्क रूबियो के बीच ओमान की खाड़ी की घटना के बाद हुई चर्चा के पश्चात आया है। दरअसल अमेरिकी सेना ने ओमान के तट पर कमर्शियल जहाज़ 'सेटेबेलो' पर 9 जून को हमला किया था। इस जहाज़ पर 24 भारतीय क्रू मेंबर सवार थे, जिनमें से 21 को बचा लिया गया था, जबकि तीन नाविकों की मौत हो गई थी। यह पहली घटना नहीं थी, इसके पहले 8 जून और 11 जून को भी खाड़ी क्षेत्र में भारतीय क्रू मेंबर्स वाले दो अन्य जहाज़ों पर हमला किया गया था, हालांकि उनमें किसी की मौत नहीं हुई और सभी नाविकों को बचा लिया गया। गौरतलब है कि बीते नौ जून को अमेरिकी नेवी के हमले की पुष्टि खुद अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने की थी, जिसके बाद भारत ने अमेरिका से विरोध दर्ज कराया और भारतीय विदेश मंत्री ने, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से इस पर बात की थी। बकौल जयशंकर उन्होंने अमेरिकी विदेश मंत्री से 'कड़ा विरोध' दर्ज कराया और कहा कि इस तरह का 'घातक हमला उचित नहीं' है। हालांकि इसकी शब्दावली भी बहुत नरम ही थी। लेकिन इसके बाद अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने एस जयशंकर और रुबियो के बीच बातचीत का ब्योरा जारी किया। बयान के अनुसार, रुबियो ने कहा है कि खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी नाकेबंदी का उल्लंघन और ईरानी तेल की अवैध ढुलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मार्को रुबियो की इस टिप्पणी पर भारत में कड़े सवाल पूछे जा रहे हैं और विपक्षी दलों और पूर्व राजनयिकों ने कहा कि अमेरिकी विदेश मंत्री ने खेद जताने की बजाय कड़ी भाषा का इस्तेमाल किया। कांग्रेस और कूटनीतिक मामलों के जानकारों ने इसे भारत के लिए चेतावनी करार दिया है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने सवाल किया कि एक 'दोस्त' इतना असंवेदनशील कैसे हो सकता है?' कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने इसे भारत के लिए 'शर्मनाक' बताया है। ऐसे में सवाल यह है कि क्या क्या केन्द्र सरकार अमेरिका के इतने दबाव में है कि हम हमारे लोगों की हत्या पर भी केवल 'विरोध दर्ज' कराने से ज्यादा कुछ नहीं कर सकते? पीएम मोदी ने तो इस मामले में एक शब्द तक नहीं कहा। उल्टे वो राष्ट्रपति ट्रंप से मिलने जी 7 के सम्मेलन में चले गए हैं।

2010 की पुनरावृत्ति है काकरोच जनता पार्टी

नजरिया

रघु ठाकुर

लेखक समाजवादी विचारक हैं।

जब मुख्य न्यायाधीश महोदय की टिप्पणी के बाद मीडिया और विशेषकर सोशल मीडिया में उनके खिलाफ भारी प्रतिक्रियायें आना शुरू हुईं तब मुख्य न्यायाधीश महोदय ने अपनी सफाई दी और कहा कि उनका आशय यह नहीं था। बहरहाल उनका आशय जो भी हो सर्वोच्च न्यायालय की जो गरिमा गिरना थी और विवादास्पद छबि बनना थी वह तो बन गई। इसके कुछ ही समय बाद एक नई चर्चा शुरू हुई, अचानक एक बयान आया कि कुछ युवक कॉकरोच जनता पार्टी बना रहे हैं और सोशल मीडिया पर इनके समाचार आने के कुछ ही दिनों में कॉकरोच जनता पार्टी की फालोअर्स की संख्या 80 लाख के आसपास पहुंच गई। अब कहा जा रहा है कि दो करोड़ फ़ालोअर्स हो गये हैं, याने भाजपा और कांग्रेस से ज्यादा।

भारत के सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने पिछले दिनों जो टिप्पणियां की हैं उन्हें जिम्मेदार नहीं माना जा सकता है। उन्होंने कुछ नये वकीलों, के लिये जो युवा है, पर जिनके आचरण उनकी दृष्टि से जिम्मेवार नहीं रहे हैं, कॉकरोच शब्द का इस्तेमाल किया है। यहां तक कि उन्होंने यह भी टिप्पणी की थी कि कई ऐसे वकील बनकर आ जाते हैं जिनकी डिग्रियां संदिग्ध हैं और इनकी भी सीबीआई से जांच कराना पड़ेगी।

यह बात भी सही है कि पिछले कुछ वर्षों में नये वकीलों में एक बड़ा समूह उभरा है जो वकील होने का अर्थ अपनी गलतियों पर पर्दा डालने का लाइसेंस मानता है। इलाहाबाद और यहां तक की दिल्ली की कई अदालतों में गवाही देने वालों पुलिस-कर्मचारी जिनसे आमजन भयभीत रहता है, वे अब वकीलों के इस नये समूह से भयभीत रहते हैं। अगर पुलिस थाने में या अन्य संस्थानों में किसी वकील के साथ बदसलूकी हुई या पुलिस से किसी कारण से वाद विवाद हुआ तो कोर्ट प्रांगण में आने पर वकील मित्रों ने उनकी पिटाई तक की। दिल्ली की स्थिति तो यह है कि ट्रैफिक पुलिस या पुलिस गाड़ी के ऊपर वकील का लोगो देखकर ही उन्हें अपराध मुक्त कर देते हैं। यह एक हिस्सा है पर सारे नये वकील ऐसे नहीं हैं। नये वकीलों का एक बड़ा हिस्सा अब कारपोरेट क्षेत्र में जा रहा और वह कंपनियों के वकील बन रहे हैं। वैसे भी इस सारे तबके के प्रति या सारे युवाओं के प्रति मुख्य न्यायाधीश महोदय की टिप्पणी उचित नहीं मानी जा सकती है। ऐसी टिप्पणियों से और उसके ऊपर हो रही प्रतिक्रियाओं से अब न्यायपालिका का सम्मान गिर रहा है तथा न्यायपालिका विवादास्पद बन रही है।

जब मुख्य न्यायाधीश महोदय की टिप्पणी के बाद मीडिया और विशेषकर सोशल मीडिया में उनके खिलाफ भारी प्रतिक्रियायें आना शुरू हुई तब मुख्य न्यायाधीश महोदय ने अपनी सफाई दी और कहा कि उनका आशय यह नहीं था। बहरहाल उनका आशय जो भी हो सर्वोच्च न्यायालय की जो गरिमा गिरना थी और विवादास्पद छबि बनना थी वह तो बन गई। इसके कुछ ही समय बाद एक नई चर्चा शुरू हुई, अचानक एक बयान आया कि कुछ युवक कॉकरोच जनता पार्टी बना रहे हैं और सोशल मीडिया पर इनके समाचार आने के कुछ ही दिनों में कॉकरोच जनता पार्टी की फालोअर्स की संख्या 80 लाख के आसपास पहुंच गई। अब कहा जा रहा है कि दो करोड़ फालोअर्स हो गये हैं, याने भाजपा और कांग्रेस से ज्यादा। यह भी बताया जाता है कि जिन सज्जन ने यह चर्चा शुरू की थी वे अमेरिका में रह रहे हैं और अन्ना हजारे के अभियान और बाद में आम आदमी पार्टी के निर्माण के समय में उनकी कुछ सामान्य सी भूमिका थी। अगर यह खबर सही है तो इसके कई अर्थ निकलते हैं। अब तो यह सबकी जानकारी में है परंतु मैंने तो जब अन्ना हजारे के माध्यम से कारपोरेट खेल शुरू हुआ था तभी याने वर्ष 2010 के आसपास ही यह लिखना और बोलना शुरू किया था कि अन्ना हजारे का अभियान भ्रष्टाचार मिटाने का नहीं बल्कि भ्रष्टाचार बचाने का है। भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्यवाही के लिये कई कानून देश में थे और हैं, परंतु टू जी स्पेक्ट्रम में फँसने वाले कारपोरेटस समूह उनके लाइजनिंग करने वाली रीना राडिया, पत्रकार देसाई आदि को बचाने की, कारपोरेट के प्रचार तंत्र के माध्यम से यह खेल शुरू किया गया था। जो जन आक्रोश भ्रष्टाचार के खिलाफ देश में उभरा था जो कि कोई अच्छे बदलाव का माध्यम बन सकता था, उसे पीछे कर एक कारपोरेट समर्थक के और मीडिया से जन्मी और चलने वाली पार्टी, आम आदमी पार्टी खड़ी कराई गई। अब इन 16-17 वर्षों के बाद जब उन घटनाओं का अध्ययन होता है तो सभी लोग अन्ना हजारे व आम आदमी पार्टी के विरुद्ध निराशा व्यक्त करते हैं परंतु इसके परिणामस्वरूप ईमानदार राजनीति तो पीछे कर ही दी गई।

जिस प्रकार अचानक दिल्ली में आम आदमी पार्टी का मीडिया के माध्यम से तूफान खड़ा किया गया था कहीं ऐसे ही अब इस कॉकरोच जनता पार्टी के माध्यम से कारपोरेट व वैश्विक लॉबी का खेल पुनः शुरू तो नहीं हो रहा है? देश में मोदी सरकार को बने 12 साल हो गये और देश के एक बड़े हिस्से में उनके प्रति निराशा का भाव है, लोग बदलाव चाहते हैं परंतु कांग्रेस जो फिलहाल देश में दो नंबर की पार्टी है और अन्य क्षेत्रीय दल जो अपने-अपने क्षेत्रों में कुछ आधार रखते हैं उन्हें भी पीछे करना है। साथ ही समता के विचार की लो.स.पा. जैसी पार्टियों को भी धकेलता है। ऐसे अभियानों के पीछे कारपोरेट, कास्ट और कास्मोपालिटिन कल्चर याने ईलीट वर्ग की सभ्यता ये सभी शामिल होते हैं। बहुत संभव है इस कॉकरोच जनता पार्टी के पीछे भी ऐसे कुछ खेल की पुनरावृत्ति हो रही हो। जिसे देश में विकल्प के तौर पर पेश किया जाये, वह कारपोरेट व वैश्विक लॉबियों के हाथ का खिलौना हो और वास्तविक बदलाव या समाजवादी बदलाव को पीछे खिसका दे। ऐसे आंतरिक कूप के कई प्रयोग पिछले दशकों में दुनिया ने देखे हैं। जैस्मीन क्रांति नाम से मिस्त्र में सत्ता परिवर्तन हो गया। एक लड़की के आवाहन पर मिस्त्र की सत्ता पलट गई। वो लड़की कौन थी, कहाँ की थी, किसी को पता नहीं।

कुछ देशों में जेन जी के नाम से आंदोलन हुए, अचानक तोड़फोड़ और हिंसा की घटनायें हुईं, वहां की सरकारें भी बदल गईं, परंतु व्यवस्था जस की तस बनी हुई है। बांग्लादेश में, नेपाल में, उसके पूर्व श्रीलंका में, जेन जी या ऐसे ही किसी नाम से अचानक विद्रोह पनपे और सरकारें बदलीं। परंतु जो नई सरकारें आई उन सरकारों का नियंत्रण कहां है और वास्तव में वे कितना बदलाव ला रही हैं यह दुनिया देख रही है। नेपाल में अचानक बालेन शाह का उदय हुआ और वहां जेन जी आंदोलन के माध्यम से मार्क्सवादी सरकारों को समाप्त कर चुनाव कराये। परंतु चुनावों के बाद जेन जी आंदोलनकारी पीछे हो गये और बालेन शाह सत्ता में आ गये। बालेन शाह समान शिक्षा लाये और राजतंत्रीय सामंतवाद पर रोक लगाई, परंतु उसके तत्काल बाद छात्र संघों पर भी रोक लगाई। याने कोई नया नेतृत्व न उभर सके। बंगलादेश में ऐसे ही जेन जी की उम्र की एक पीढ़ी के द्वारा हिंसक आंदोलन चला, अचानक हुए इस आंदोलन ने पूरे देश को जकड़ लिया और अब वहां खालिदा जिया के बेटे के नेतृत्व में बीएनपी की सरकार है।

जेन जी के आंदोलन की कुछ चर्चायें पिछले दिनों भारत में भी चली थी परंतु भारत जैसे विशाल देश में जेन जी की सफलता संदिग्ध है। वैसे भी यह जेन जी का वर्ग आयु सीमा वर्गीकरण किये जाने का औचित्य क्या है? इसे किसने किया है? और 1997 के बाद जन्मे जो 30 वर्ष से नीचे की आयु वर्ग के युवक हैं उन्हें एक श्रेणी में शामिल करने की कल्पना कहां से आई। कहीं यह कारपोरेट जगत के द्वारा अपनी आर्थिक सत्ता को कायम रखने या अपने अनुकूल बदलाव के लिये तथा वास्तविक बदलाव को रोकने के लिये यह एक नई श्रेणी का निर्माण तो नहीं कराया गया। चूंकि भारत में जेन जी के नाम से कोई विशेष प्रभाव नहीं बन पाया, तो हो सकता है कि, यह कॉकरोच जनता पार्टी का प्रयोग रचा गया हो। जिस प्रकार दिल्ली में, आम आदमी पार्टी उभर कर आई थी वैसे ही कॉकरोच जनता पार्टी को विकल्प बनाकर पेश किया जाए, जिसका कोई समग्र परिवर्तन का कार्यक्रम नहीं होगा जो समाजवादी नहीं होगी है और जिनका समता विहीन बदलाव का एजेंडा होगा। ये 2 करोड़ फालोअर अचानक कहां से हो गये? कौन सी ताकतें इन्हें जुटा रही हैं। अगर ऐसी पार्टी उभरती या सफल होती है तो यह इस जेन जी वर्ग में न्यायाधीश की टिप्पणी के विरुद्ध एक कृत्रिम स्वाभीमान जागायेगी। परंतु उसका भारतीय समाज को बदलने का न कोई एजेंडा होगा, न लक्ष्य होगा, न कोई सपना होगा। आम आदमी पार्टी के समान कारपोरेट की एक नई पार्टी खड़ी हो जायेगी। जो कारपोरेट कास्ट और इलीट वर्ग के हितों को सुरक्षित रखेगी व इसे ही बदलाव बतायेगी। एक आम निराशा और अपरिपक्व जोश की खुराक से पनपी यह पार्टी और राजनीति, अंततरू संभावित बदलाव के लिये फिर कुछ वर्ष पीछे ढकेल देगी। देश को 2010 के बाद का यह दूसरा धोखा होगा। याने एक धोखे ने 15 साल निकाल दिये, दूसरा धोखा और 15-20 साल निकाल देगा। और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं गृहमंत्री श्री अमित शाह के द्वारा तय किया नया सत्ता का लक्ष्य वर्ष 2047 आ जायेगा। देश की जो कुछ भी वैचारिक पार्टियां हैं उन्हें भी अब इस पर चिंतन करना चाहिये। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की एक टिप्पणी ने कॉकरोच जनता पार्टी बना दी। क्या न्यायाधीश की एक टिप्पणी का विरोध कोई समाज परिवर्तन का कार्यक्रम हो सकता है? परंतु कारपोरेट ताकतें सक्रिय हैं और शक्तिशाली भी हैं। इस पार्टी का न कोई एजेंडा है न समता, न विकास, न भ्रष्टाचार, न न्याय, न सुशासन बस एक युवा जमात का नकली गौरव है। कहीं ऐसा न हो कि मुख्य न्यायाधीश की टिप्पणी ने कॉकरोज पार्टी बनवाई और कॉकरोच पार्टी समूचे देश को कॉकरोच न बना दे और कीटाणु सभी तक पहुंचा दे।

मप्र रास चुनाव : कांग्रेस की हार का जिम्मेदार कौन?

राजनीति

राजीव खंडेलवाल

(लेखक, कर सलाहकार एवं पूर्व अध्यक्ष, बैतूल सुधार न्यास)

लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 125ए के तहत शपथ पत्र में गलत जानकारी देना या आवश्यक जानकारी छिपाना दंडनीय अपराध है। यदि निर्वाचन अधिकारी यह निष्कर्ष निकाले कि उम्मीदवार ने 'महत्वपूर्ण तथ्य छिपाया' है, तो धारा 125ए के तहत कार्रवाई का आधार बन सकता है। इस मामले में रिटर्निंग अधिकारी ने तेलंगाना की अदालत में लंबित निजी शिकायत क्रमांक 4472/2025, धारा 223 की जानकारी छिपाने को मुख्य आधार माना। जबकि नटराजन का तर्क है कि संबंधित कार्यवाही ऐसी नहीं थी, जिसकी जानकारी देना विधिक रूप से अनिवार्य हो।

2018 में मध्य प्रदेश में चुनी गई कमलनाथ सरकार के पतन के बाद से कांग्रेस के लिए चुनावी पराजयों का सिलसिला शुरू हुआ था, जो अब तक थमता नहीं दिख रहा। लोकसभा, विधानसभा और अब राज्यसभा चुनाव में भी कांग्रेस को ऐसे झटके लगे हैं, जिनसे उबरना उसके लिए कठिन होता जा रहा है।

ताजा घटनाक्रम में कांग्रेस ने राज्यसभा की (तथाकथित) सुरक्षित मानी जाने वाली सीट भी गंवा दी। इस तरह पार्टी एक बार फिर 'जीती बाजी हारने' की चर्चा के केंद्र में आ गई।

कांग्रेस प्रत्याशी सुश्री मीनाक्षी नटराजन का नामांकन पत्र रिटर्निंग अधिकारी ने पांच कारण दर्शाते हुए नामांकन निरस्त कर दिया। प्रमुख आधार यह था कि उन्होंने फॉर्म-26 में तेलंगाना की IV अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अदालत में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) की धारा 223 के तहत लंबित कार्यवाही की जानकारी नहीं दी।

दूसरा कारण: शपथ पत्र में अस्पष्ट व अधूरी सील।

3 भाग दो के विवरण में विहित प्रारूप में बदलाव।

4 फार्म के भाग बी और शपथ पत्र भाग ए में परिसंपत्तियों का मूल्य अलग-अलग था।

लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 के तहत निर्धारित फॉर्म-26 में उम्मीदवार को अपने विरुद्ध लंबित समस्त आपराधिक मामलों का विवरण देना आवश्यक है। प्रश्न यह है कि धारा 223 बीएनएसए के तहत चल रही कार्यवाही क्या ऐसे 'आपराधिक मामले' की श्रेणी में आती है, जिसकी जानकारी देना अनिवार्य था?

कानूनी दृष्टि से शिकायत और प्राथमिकी में जो अंतर है, वही अंतर धारा 223 के तहत प्रारंभिक न्यायिक कार्यवाही और धारा 227 के तहत विधिवत आपराधिक अभियोजन में होता है। धारा 223 के तहत कार्यवाही मात्र एक शिकायत है, जहाँ व्यक्ति को तब तक आरोपी नहीं माना जा सकता, जब तक मजिस्ट्रेट धारा '227' के तहत उसे संज्ञान में न ले।

उच्चतम न्यायालय ने सतीश उके बनाम देवेंद्र फडणवीस, (2019) 9 SCC 1 में स्पष्ट किया कि धारा 33ए RP Act और नियम 4ए चुनाव संचालन नियम 1961 के तहत उन मामलों का खुलासा आवश्यक है, जिनमें-

1. दो वर्ष या उससे अधिक दंड का प्रावधान हो और आरोप तय हो चुके हों, या
2. 1 वर्ष की सजा हो चुकी हो या सक्षम न्यायालय ने संज्ञान ले लिया हो।

मीनाक्षी नटराजन के मामले में मजिस्ट्रेट ने अभी तक धारा 227 के तहत आदेश पारित कर उन्हें आरोपी नहीं बनाया है। इसलिए सिर्फ धारा 223 की कार्यवाही आपराधिक प्रकरण की श्रेणी में नहीं आती और इसकी जानकारी देना अनिवार्य नहीं था। यही कानूनी स्थिति है।

गलत जानकारी देने पर आपराधिक कार्रवाई कब?

लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 125ए के तहत शपथ पत्र में गलत जानकारी देना या आवश्यक जानकारी छिपाना दंडनीय अपराध है। यदि निर्वाचन अधिकारी यह निष्कर्ष निकाले कि उम्मीदवार ने 'महत्वपूर्ण तथ्य छिपाया' है, तो धारा 125ए के तहत कार्रवाई का आधार बन सकता है।

इस मामले में रिटर्निंग अधिकारी ने तेलंगाना की अदालत में लंबित निजी शिकायत क्रमांक 4472/2025, धारा 223 की जानकारी छिपाने को मुख्य आधार माना। जबकि नटराजन का तर्क है कि संबंधित कार्यवाही ऐसी नहीं थी, जिसकी जानकारी देना विधिक रूप से अनिवार्य हो।

भारतीय न्याय संहिता की धारा 229 और 230 के तहत भी शपथ पर मिथ्या कथन के लिए अलग से शिकायत हो सकती है।

राजनीतिक गलियारों में सवाल उठ रहा है कि क्या भाजपा या निर्वाचन आयोग धारा 125ए RP Act के तहत मीनाक्षी नटराजन के विरुद्ध कोई कानूनी पहल करेगा? कांग्रेस के रिटर्निंग अधिकारी पर भाजपा के दबाव में काम करने के आरोप को भोंथरा करने के लिए भाजपा को प्रत्युत्तर में आपराधिक कानूनी कार्रवाई के लिए आगे आना चाहिए।

मीनाक्षी नटराजन के विरुद्ध लंबित निजी शिकायत की जानकारी सार्वजनिक विमर्श में कैसे आई, यह अब राजनीतिक चर्चा का विषय बन गया है। इतनी विशिष्ट जानकारी कांग्रेस के अंदर बैठे 'स्लीपिंग सेल' की सहायता के बिना सामने आना संभव नहीं लगता।

कांग्रेस का दावा था कि चुनाव होते तो भाजपा की हार निश्चित थी। इसलिए भाजपा ने निर्वाचन अधिकारी का दुरुपयोग कर जीत सुनिश्चित की। लेकिन इस दावे की पोल तब खुल गई जब खरीद-फरोख्त के डर से कांग्रेस अपने विधायकों को विशेष विमान से कर्नाटक ले जा रही थी, तब केवल 48 विधायक ही थे। जीत के लिए न्यूनतम 58 प्रथम वरीयता मत आवश्यक थे। वहीं भाजपा के विधायक अपने क्षेत्रों में ही थे। कांग्रेस की 'रिसॉर्ट पॉलिटिक्स' इस बार भी भाजपा के सामने नाकाम रही। भाजपा का यह 'विश्वास' (शायद इसलिए जनता उन पर अंधविश्वास करती है) और कांग्रेस की उक्त 'आशंका' अपने आप में कहानी कह देती है।

देशहित में विपक्ष को मजबूत बनाने के लिए भाजपा, जिसे प्रशिक्षण वर्ग लगाने में महारत हासिल है, को कांग्रेस के लिए भी एक प्रशिक्षण वर्ग लगाना चाहिए। ताकि कांग्रेस कम से कम अपनी जीती हुई बाजी को बनाए रखने में सफल हो सके।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेहरू के 64 साल पुराने 12 वर्ष से अधिक कार्यकाल का रिकॉर्ड तोड़ने के अवसर पर मध्य प्रदेश ने राज्यसभा की एक अतिरिक्त सीट का तोहफा देकर उनका अभिनंदन किया।

राज्यसभा चुनाव का यह मामला केवल एक नामांकन पत्र के निरस्तीकरण तक सीमित नहीं है। यह कांग्रेस की संगठनात्मक तैयारी, कानूनी सतर्कता और राजनीतिक प्रबंधन तीनों पर प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है। कांग्रेस को एक 'बाजीगर' की जरूरत है। सवाल यह है कि क्या वह मिल पाएगा?

विवेकहीन विश्वासः स्वयं के सर्वनाश का मार्ग

अभिव्यक्ति

अदिति सिंह भदौरिया

लेखक स्तंभकार हैं।

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। वह अपने जीवन में अनेक लोगों से जुड़ता है, उनसे संबंध बनाता है और उनके साथ सुख-दुःख साझा करता है। किंतु जीवन की सबसे बड़ी विडंबना तब उत्पन्न होती है, जब हम अपने हितैषियों की बातों पर विश्वास करने के स्थान पर दूसरों की शातिर चालों और भ्रम फैलाने वाली बातों पर विश्वास करने लगते हैं। जिस दिन व्यक्ति अपने अपनों की निष्ठा पर संदेह करने लगता है और बाहरी लोगों की कपटपूर्ण बातों को सत्य मान लेता है, उसी दिन से उसके पतन की शुरुआत हो जाती है। ऐसे व्यक्ति को न तो किसी शत्रु की आवश्यकता रहती है और न ही किसी विरोधी की, क्योंकि वह स्वयं ही अपने विनाश का कारण बन जाता है।

मानव जीवन में विवेक का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। विवेक वह शक्ति है जो सही और गलत, हित और अहित, सत्य और असत्य के बीच अंतर करना सिखाती है। जब व्यक्ति अपने विवेक का प्रयोग करना छोड़ देता है, तब वह दूसरों के प्रभाव में आकर निर्णय लेने लगता है। ऐसे निर्णय प्रायः भावनाओं, भ्रमों और अधूरी जानकारियों पर आधारित होते हैं। परिणामस्वरूप व्यक्ति उन लोगों से दूर हो जाता है जो वास्तव में उसका भला चाहते हैं और उन लोगों के निकट चला जाता है जो केवल अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए उसके जीवन में प्रवेश करते हैं।

आज के समय में यह समस्या और भी गंभीर हो गई है। लोग बिना सत्यता की जांच किए किसी की कही हुई बात पर विश्वास कर लेते हैं। कई बार कोई तीसरा व्यक्ति दो लोगों के बीच गलतफहमियां पैदा कर देता है। यदि हम बिना सोचे-समझे उसकी बातों को स्वीकार कर लें, तो वर्षों पुराने संबंध भी टूट सकते हैं। परिवारों में कलह, मित्रताओं में दरार और समाज में बढ़ती दूरियों का एक बड़ा कारण यही है कि लोग अपने विवेक से विचार करने के बजाय दूसरों के बहकावे में आ जाते हैं।

इतिहास और साहित्य में भी ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं जहां व्यक्तियों ने दूसरों की कपटपूर्ण बातों पर विश्वास करके अपना ही नुकसान किया। महाभारत में धृतराष्ट्र अपने पुत्र दुर्योधन के मोह और शकुनि की कुटिल नीतियों से प्रभावित रहे। उन्होंने समय रहते सत्य को स्वीकार नहीं किया और परिणामस्वरूप एक विशाल युद्ध हुआ, जिसमें उनका परिवार ही नष्ट हो गया। यदि उन्होंने अपने विवेक का उपयोग किया होता और न्याय का साथ दिया होता, तो शायद इतनी बड़ी त्रासदी नहीं होती।

व्यक्ति के जीवन में कुछ लोग ऐसे होते हैं जो उसके सच्चे शुभचिंतक होते हैं। वे उसकी गलतियों की ओर भी संकेत करते हैं और उसे सही मार्ग दिखाने का प्रयास करते हैं। किंतु कई बार हम उनकी बातों को आलोचना समझ लेते हैं और उनसे दूरी बना लेते हैं। दूसरी ओर, जो लोग केवल मीठी बातें करते हैं और हमारे अहंकार को संतुष्ट करते हैं, हम उन्हें अपना हितैषी मान बैठते हैं। यही हमारी सबसे बड़ी भूल होती है। सच्चा मित्र वह नहीं जो हर बात में हमारी प्रशंसा करे, बल्कि वह है जो आवश्यकता पड़ने पर हमें सच बताने का साहस रखता हो।

जब व्यक्ति यह पहचानने में असफल हो जाता है कि कौन उसका लाभ उठाना चाहता है और कौन उसका हित चाहता है, तब वह स्वयं अपने लिए एक गहरी खाई खोदने लगता है। शुरुआत में उसे यह खाई दिखाई नहीं देती, क्योंकि भ्रम और अहंकार उसकी दृष्टि को ढक लेते हैं। परंतु समय बीतने के साथ जब संबंध टूटने लगते हैं, विश्वास समाप्त होने लगता है और अकेलापन बढ़ने लगता है, तब उसे अपनी भूल का एहसास होता है। दुर्भाग्यवश उस समय तक बहुत देर हो चुकी होती है। टूटे हुए विश्वास और बिखरे हुए संबंधों को पुनः जोड़ना अत्यंत कठिन होता है।

इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को चाहिए कि वह किसी भी बात पर विश्वास करने से पहले उसकी सत्यता की जांच करे। केवल सुनी-सुनाई बातों के आधार पर निर्णय न ले। अपने प्रियजनों और शुभचिंतकों की बातों को धैर्यपूर्वक सुने तथा हर परिस्थिति में अपने विवेक का उपयोग करे। जीवन में भावनाओं के साथ-साथ तर्क और समझदारी भी आवश्यक हैं। जो व्यक्ति अपने विवेक को जागृत रखता है, वह दूसरों की चालों का शिकार नहीं बनता और सही निर्णय लेने में सक्षम रहता है।

अंततः कहा जा सकता है कि जब हम अपनों की बातों से अधिक दूसरों की शातिर हरकतों पर विश्वास करने लगते हैं, तब हम अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मारते हैं। ऐसा व्यक्ति धीरे-धीरे अपने संबंधों, सम्मान और मानसिक शांति को खो देता है। इसलिए आवश्यक है कि हम अपने विवेक को अपना सबसे बड़ा मार्गदर्शक बनाएं, सत्य को परखने की क्षमता विकसित करें और यह समझें कि हर मुस्कुराता चेहरा हमारा हितैषी नहीं होता। जीवन में सफलता, सुख और स्थायी संबंधों का आधार केवल विश्वास नहीं, बल्कि विवेकपूर्ण विश्वास होता है। यही विवेक हमें स्वयं के द्वारा खोदी गई उस खाई में गिरने से बचाता है, जहां से बाहर निकलना अत्यंत कठिन हो जाता है।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

आग का मौसम: आग लगने तक सब सुरक्षित हैं

व्यंग्य

सुदर्शन कुमार सोनी

लेखक व्यंग्यकार हैं।

'फायर सेफ्टी का मतलब है–आग लगने तक सब सुरक्षित हैं।'

पहले गर्मी, बरसात और सर्दी हुआ करते थे। अब चौथा मौसम आ चुका है–'आग का मौसम'। मौसम विभाग को इसकी अलग श्रेणी घोषित कर देनी चाहिए। फर्क बस इतना है कि यह मौसम प्राकृतिक चक्र से नहीं, लापरवाही के चक्र से पैदा होता है। उधर तेल संकट की आग है, इधर महंगाई की आग है। लोगों की जेबें ऐसे धधक रही हैं जैसे किसी ने वेतन पर मिट्टी का तेल छिड़क दिया हो।

समाचार खोलिए। किसी दिन अस्पताल में आग लगी है, अगले दिन किसी आईसीयू में, फिर किसी कोचिंग संस्थान में और उसके बाद किसी होटल में। ऐसा लगता है कि आग भी अब विभागवार दौरा कर रही है। सबसे आश्चर्यजनक बात यह है कि हर दुर्घटना के बाद प्रशासन की बुद्धि उसी तरह जागती है जैसे परीक्षा खत्म होने के बाद छात्र को सही उत्तर याद आते हैं।

तब पता चलता है कि भवन के पास अग्निशमन एनओसी नहीं थी, निकास मार्ग नहीं था या उस पर ताला जड़ा था जिसकी चाबी का किसी को पता नहीं था। वायरिंग वर्षों पुरानी थी और अग्निशमन यंत्र शोपीस बने हुए थे। प्रश्न यह है कि जब ये सब नहीं था, तब भवन चल कैसे रहा था? और यदि चल रहा था तो निरीक्षण करने वाले क्या कर रहे थे? यानी भवन चलाने वाले निरीक्षण करने वालों को चला रहे थे। यहाँ भवन पहले बनता है, नियम बाद में खोजे जाते हैं। हमारे यहाँ सुरक्षा प्रमाणपत्र कई बार बिना देखे, बिना परखे और पूरे विश्वास के साथ जारी हो जाते हैं। सुरक्षा मानकों की सबसे बड़ी खूबी यह है कि वे हर हादसे के बाद मिल ही जाते हैं।

कोचिंग संस्थानों की कहानी और भी अद्भुत है। तहखाने में कक्षाएँ चल रही हैं, ऊपर एक संकरी सीढ़ी है, लेकिन वर्षों तक किसी को यह दिखाई नहीं देता। दुर्घटना होते ही अधिकारियों को नक्शे और निर्माण की विसंगतियाँ दिखने लगती हैं। जबकि असली खोट नियामक तंत्र की नीयत में होती है, जिसकी कीमत निर्दोष लोग अपनी जान देकर चुकाते हैं। लगता है कि निरीक्षण तंत्र की आँखों पर ऐसा चश्मा चढ़ा है जो केवल हादसे के बाद ही नंबर पकड़ता है। यहाँ फायर सेफ्टी का मतलब है–आग लगने तक सब सुरक्षित है।

दुर्घटना के बाद छापे पड़ते हैं, नोटिस निकलते हैं, जांच समितियाँ बनती हैं और कैमरों के सामने गंभीर चेहरे दिखाई देते हैं। फिर कुछ दिनों बाद सब सामान्य हो जाता है। शायद हमारे यहाँ आग बुझाने से अधिक महत्वपूर्ण उसका प्रेस-विज्ञप्ति संस्करण तैयार करना है। 'यहाँ सब चलता है' शायद देश की सबसे बड़ी अग्निशामक नीति बन चुका है। ऐसा लगता है कि 'चलता है' और 'हो जाता है' मिलकर राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन का अनौपचारिक संस्करण चला रहे हैं।

सबसे बड़ी विडंबना यह है कि हर हादसे के बाद कारण खोजे जाते हैं, समाधान नहीं। मृतकों की संख्या गिनी जाती है, जिम्मेदारियों की नहीं। मोमबत्तियाँ जलती हैं, लेकिन व्यवस्था का अंधेरा जस का तस बना रहता है। लोग केवल आग से नहीं मरते, बल्कि आपराधिक लापरवाही, लालच और उदासीनता के त्रिकोण से मरते हैं। आग तो केवल अंतिम अंगूठा छाप देती है। कभी-कभी लगता है कि हमारे देश में अग्निशमन विभाग का सबसे सक्रिय उपकरण फायर ब्रिगेड नहीं, बल्कि दुर्घटना के बाद जारी होने वाला कारण बताओ नोटिस है। दुर्घटना के बाद अधिकारियों की सक्रियता देखकर लगता है कि आग भी सरकारी फाइल मंजूर करवाकर ही लगी होगी।

सुरक्षा नियमों की सामूहिक खुदकुशी के कारण ही हमारे यहाँ अग्नि दुर्घटनाएँ होती हैं। गलतियों की छोटी चिंगारी ही शोला बन जाती है। जिस दिन किसी भवन का निरीक्षण दुर्घटना से पहले होने लगेगा, जिस दिन अनुमति-पत्र रिश्वत नहीं बल्कि नियम से मिलेगा, जिस दिन निकास मार्ग को सजावट नहीं बल्कि जीवनरेखा माना जाएगा, उस दिन शायद आग केवल रसोई तक सीमित रह जाएगी।

फिलहाल तो हाल यह है कि देश में आग से ज्यादा भयावह वह मानसिकता है जो हर हादसे के बाद मन ही मनकहती है–'यह तो होता रहता है, जांच के बाद दोषियों पर कठोरतम कार्रवाई की जाएगी।' और जब कोई समाज दुर्घटनाओं को नियति मान लेता है, तब आग केवल भवनों में नहीं, उसकी संवेदनाओं में भी लग चुकी होती है।

न्याय और कानून

विनय झैलावत

(पूर्व असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल एवं वरिष्ठ अधिवक्ता)

पेशेवर कार्य के लिए अभियोजन कार्यवाही असंवैधानिक

एक अधिवक्ता को अपने पेशे के कारण अपने मुवक्किल का प्रतिनिधित्व करने का अधिकार मिला है, चाहे उसका मामला किसी भी प्रकार का हो। इसमें न्यायालय में प्रस्तुत किए जाने वाले तथा बचाव किए जाने वाले दोनों ही प्रकार के मामले सम्मिलित है। इनके आधार पर वकील के खिलाफ कार्यवाही नहीं की जा सकती। यदि अपील दायर करने जैसे किसी पेशेवर कार्य के लिए किसी अधिवक्ता को उसके मुवक्किल का साजिशकर्ता माना जाएगा, तो यह बार के अस्तित्व और अधिवक्ता अधिनियम के तहत वकालत करने के अधिकार का अंत होगा।

हाल ही में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने राज्य के वाणिज्यिक कर विभाग को एक अधिवक्ता के खिलाफ उसकी पेशेवर क्षमता में किए गए कार्य के लिए एफआईआर (प्रथम सूचना रिपोर्ट) दर्ज करने पर कड़ी फटकार लगाई। कड़ा संदेश देते हुए न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति तरुण सक्सेना की पीठ ने कहा कि यदि अधिवक्ताओं पर उनके पेशेवर कार्यों के लिए मुकदमा चलाया जाएगा, तो यह बार के अस्तित्व के अंत के साथ अधिवक्ता अधिनियम के तहत वकालत करने के इस अधिकार का भी अंत होगा। उच्च न्यायालय ने अभिभाषक समर्पण जैन के खिलाफ दर्ज प्रथम सूचना रिपोर्ट और आरोप पत्र (चार्जशीट) को रद्द कर दिया। साथ ही, अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, रामपुर द्वारा पारित संज्ञान आदेश को भी निरस्त कर दिया।

अभिभाषक को उनके मुवक्किल (मोहम्मद हारिस) ने अपनी फर्म द्वारा वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम, 2017 की धारा 107 के तहत वैधानिक अपीलें दायर करने के लिए नियुक्त किया गया था। इन अपीलों में वित्तीय वर्ष 2022-23 और 2023-24 के दौरान उपायुक्त, जीएसटी, सेक्टर-1, रामपुर द्वारा लगाए गए कर,ब्याज और दंड के महत्वपूर्ण निर्धारणों को चुनौती दी गई थी। अपने मुवक्किल के निर्देशों पर कार्य करते हुए अभिभाषक ने 15 अगस्त 2025 को ऑनलाइन वैधानिक अपीलें दायर की। इनमें उन्होंने विवादित कर की अनिवार्य 10 पूर्व-जमा (प्री-डिपॉजिट) राशि का भुगतान करदाता की इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजर में उपलब्ध इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का उपयोग करके किया। इनपुट टैक्स क्रेडिट किसी भी जीएसटी करदाता को केवल तब मिलता है जब वह कोई जीएसटी के अंतर्गत आई किसी सामग्री का क्रय अपने किसी व्यापार के काम के लिए इस्तेमाल करता है। इसे प्राप्त करने के लिए सरकार द्वारा नियमित तौर पर नियम भी जारी की जाते है।

अभिभाषक ने अपने पक्षकार का पक्ष रखते हुए यह कहा था कि मुवक्किल के आईटीसी और इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजर का उपयोग पूर्व-जमा के लिए करना गुजरात उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ के निर्णय के अनुसार अनुमेय था। इसे सर्वोच्च न्यायालय ने भी बरकरार रखा था। हालांकि, अपीलीय प्राधिकारी ने इस प्रकार के वैधानिक पूर्व-जमा को स्वीकार करने से इनकार कर दिया और अपील को विचारणीय (मेंटेनेबिलिटी) के आधार पर खारिज कर दिया। इसके बाद, सूचना देने वाले अधिकारी (उपायुक्त, जीएसटी/प्रतिवादी संख्या 3) ने विवादित प्रथम सूचना रिपोर्ट न केवल याचिकाकर्ता के मुवक्किल बल्कि स्वयं याचिकाकर्ता अभिभाषक के खिलाफ भी दर्ज कराई। आरोप था कि विवादित कर की 10: पूर्व-जमा राशि इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजर से इनपुट टैक्स क्रेडिट का उपयोग करके जमा की गई। इस विशेष मामले में, सूचक ने कहा कि यह याचिकाकर्ता के मुवक्किल द्वारा उनके आदेश के विरुद्ध अपील दायर करते समय अपनाया गया एक अवैध तरीका था।

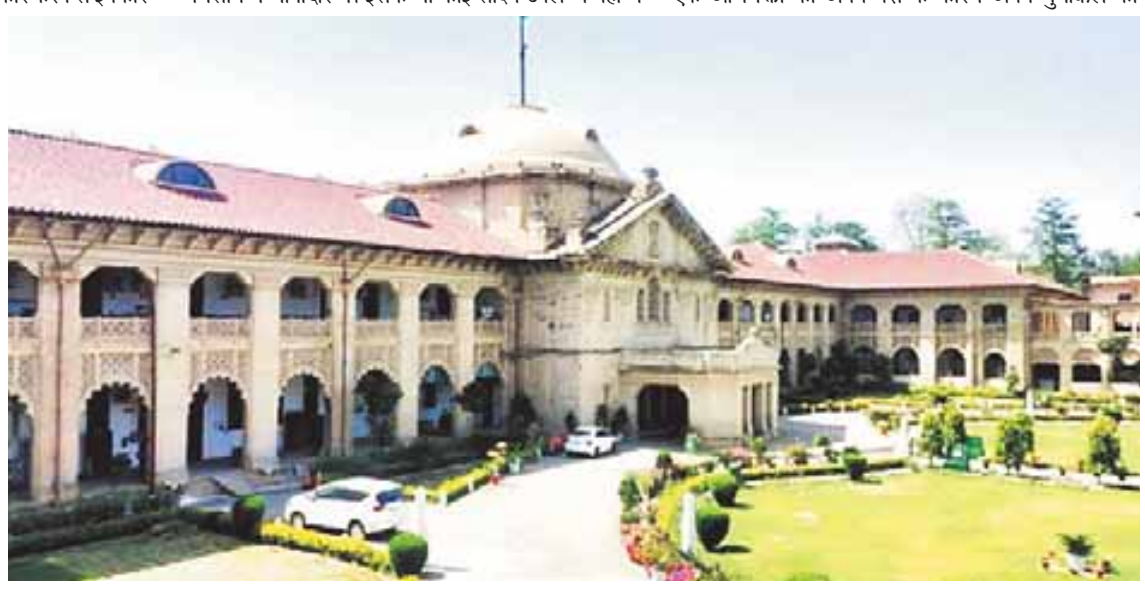

प्रथम सूचना रिपोर्ट में यह भी आरोप लगाया गया कि याचिकाकर्ता के मुवक्किल ने याचिकाकर्ता के साथ साजिश करके जीएसटी की चोरी की। इससे राज्य कोष को वित्तीय नुकसान पहुंचा। इसके बाद पुलिस रिपोर्ट दाखिल हुई। इसके आधार पर संबंधित न्यायालय ने संज्ञान भी लिया। पूरी कार्यवाही को चुनौती देते हुए याचिकाकर्ता ने उच्च न्यायालय का रुख किया। उन्होंने तर्क दिया कि अपील दाखिल करने तथा विवादित कर के लिए आवश्यक जमा राशि प्रस्तुत करने का कार्य उन्होंने अपनी पेशेवर क्षमता में और अपनी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार किया था। यह भी तर्क दिया गया कि भले ही याचिकाकर्ता से कोई त्रुटि हुई हो, फिर भी वह अपनी पेशेवर क्षमता में कार्य कर रहे थे। ऐसी कोई साक्ष्य नहीं थी जिससे यह साबित हो कि वे अपने मुवक्किल के व्यवसाय में भागीदार थे। इसके भी कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं थे कि वे किसी साजिश के सहभागी थे।

सुनवाई के दौरान, जब अतिरिक्त महाधिवक्ता से इस मुद्दे पर प्रश्न किया गया, तो उनके पास कहने के लिए बहुत कुछ नहीं था। इसी प्रकार, सूचक जीएसटी अधिकारी भी यह बताने में असमर्थ रहे कि उन्होंने अधिवक्ता को उनके पेशेवर कार्य के लिए प्रथम सूचना रिपोर्ट में नामजद क्यों किया। आवेदक के खिलाफउसके पेशेवर कार्य के लिए अभियोजन चलाए जाने पर गंभीर आपत्ति जताते हुए पीठ ने पाया कि यह स्थिति संविधान के अनुच्छेद 14 और 21 में निहित सिद्धांतों की जड़ों पर प्रहार करती है। इसे किसी भी हालत में अनुमति नहीं दी जा सकती। न्यायालय ने कहा कि एक अधिवक्ता को अपने पेशे के कारण अपने मुवक्किल का प्रतिनिधित्व करने का अधिकार प्राप्त है। चाहे उसका मामला किसी भी प्रकार का हो। इसने न्यायालय में पक्ष प्रस्तुती या बचाव किया जाना शामिल है।

एक अधिवक्ता को हत्या, बलात्कार, आतंकवाद जैसे अपराधों के आरोपी व्यक्तियों का बचाव करने का भी अधिकार है और यह उसका कर्तव्य है। यदि अपील दायर करने जैसे किसी पेशेवर कार्य के लिए किसी अधिवक्ता को उसके मुवक्किल का साजिशकर्ता माना जाएगा, तो यह बार के अस्तित्व और अधिवक्ता अधिनियम के तहत वकालत करने के अधिकार का अंत होगा। न्यायालय ने आगे कहा कि अधिवक्ता को निर्भीक होकर अपने पेशेवर दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए। यह ठीक उसी प्रकार होगा जैसे राज्य का कोई अधिकारी अपने कर्तव्योंका निर्वहन करने का अधिकारी होता है। पीठ ने यह भी कहा कि वकीलों पर अभियोजन चलाने से अप्रत्यक्ष रूप से नागरिकों को उनकी अत्यंत महत्वपूर्ण कानूनी सहायता के अधिकार से वंचित किया जाएगा। इससे वकील वकालतनामा दाखिलकरने से पहले अपने ही बचाव के बारे में सोचने लगेगा। न्यायालय ने टिप्पणी की कि भले ही जीएसटी के उपायुक्त यह मानते हों कि विवादित कर की पूर्व-जमा राशि इनपुट टैक्स क्रेडिट के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक लेजर से डेबिट नहीं की जा सकती थी, फिर भी ऐसा करने का अधिवक्ता का पेशेवर निर्णय उसे किसी भी प्रकार से करदाता का साजिशकर्ता नहीं बनाता।

उच्च न्यायालय ने कहा कि यह पूर्णत: एक पेशेवर कार्य है। इसका उसके मुवक्किल के व्यवसाय से कोई संबंध नहीं है। यह केवल अपील दाखिल करने की प्रक्रिया के दौरान किया गया कार्य था, इससे अधिक कुछ नहीं। यह कानून की एक विशेष व्याख्या पर आधारित था, चाहे वह सही हो, गलत हो या पूरी तरह गलत हो। फलस्वरूप, उच्च न्यायालय ने याचिका स्वीकार करते हुए अभिभाषक के विरूद्ध की गई प्रथम सूचना रिपोर्ट को रद्द कर दिया और याचिकाकर्ता से संबंधित संज्ञान आदेश को भी निरस्त कर दिया। इस तरह के मामले सामने आने के कारण ही अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम की मांग अधिवक्ताओं द्वारा फिर उठाई जा रही है। सरकार एवं अधिकारियों को अधिवक्ताओं को किसी भी अभियोजन में अपने कार्य करने पर बतौर आरोपी शामिल करने को लेकर संवेदनशीलता दिखाने की आवश्यकता है। हालांकि इस मामले से इस प्रकार के मामलों में कितनी कमी या बढ़ोतरी होती है यह तो वक्त ही बताएगा।

सबसे बड़ा सुख

सीमा जयंत भिसे

(लेखिका और विश्लेषक)

सच्ची खुशी, वर्तमान की राह और कर्म की तन्मयता

खुशी क्या है, क्या यह किसी बड़ी सफलता, पुरस्कार, धन-दौलत या ऊंचे पद में छिपी है! अमूमन हम यही मानते हैं, लेकिन जीवन का गहरा दर्शन और मनोविज्ञान कुछ और ही कहता है। दरअसल, खुशी कोई बाहरी वस्तु नहीं, बल्कि हमारे मन की एक ऐसी अवस्था है जो परिणाम की चिंता किए बगैर वर्तमान में जीने और अपने कर्म में पूरी तरह डूब जाने से हासिल होती है।

जब हम किसी काम को अपनी पूरी तन्मयता और सकारात्मकता के साथ करते हैं, तो नकारात्मक विचार अपने आप पीछे छूट जाते हैं और मन को एक असीम शांति का अनुभव होता है। इस सत्य को प्रसिद्ध भारतीय शास्त्रीय नृत्यांगना और पद्मभूषण व पद्मविभूषण से सम्मानित सोनल मानसिंह के एक संस्मरण से बेहद खूबसूरती से समझा जा सकता है। एक साक्षात्कार के दौरान जब उनसे पूछा गया कि आज के कलाकारों के लिए वे क्या कहना चाहेंगी, तो उन्होंने एक बहुत ही मर्मस्पर्शी बात साझा की। उन्होंने कहा कि पुरस्कार मिलने से भी ज्यादा खुशी अपनी कला में डूब जाने और दर्शकों के प्रेम से मिलती है।

उन्होंने अपने जीवन का एक वाकया बताते हुए कहा कि एक बार वे तपती गर्मी के दिनों में दोपहर के वक्त एसी कार से हाईवे से गुजर रही थीं। उन्होंने देखा कि उस भीषण गर्मी में एक पेड़ के नीचे बैठी एक बूढ़ी दादी मां बहुत ही मग्न होकर गोदड़ी (कपड़ों के छोटे-छोटे टुकड़ों को जोड़कर बनाई जाने वाली रजाई या गद्दे) सिल रही थीं। वे उन छोटे-छोटे टुकड़ों को आपस में जोड़ने में इतनी तल्लीन थीं कि उन्हें न तो चिलचिलाती धूप का अहसास था और न वहां से गुजरने वाले वाहनों के शोर की कोई परवाह थी। वे अपने काम को पूरे आनंद और तन्मयता के साथ कर रही थीं। सोनल मानसिंह कहती हैं कि उस दृश्य ने उन्हें झकझोर दिया और उनके मन में सवाल उठा कि क्या इस प्रकार की तल्लीनता और समर्पण वे अपनी कला के प्रति रख पाती हैं? उन्होंने माना कि पुरस्कार मिलना एक अलग बात है और अपनी कला में इस तरह डूब जाना बिल्कुल अलग बात है। एक कलाकार के लिए कला के प्रति ऐसा ही निश्छल समर्पण सबसे जरूरी है, जिसे सीखने का प्रयास वे आज भी कर रही हैं।

महान कलाकारों का यह अनुभव केवल कला तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन का एक सार्वभौमिक नियम है, जिसे आधुनिक अर्थों में मनोवैज्ञानिक भी स्वीकार करते हैं। येल विश्वविद्यालय की प्रसिद्ध प्रोफेसर डॉ लॉरी सैंटोस के अनुसार, खुशी मानसिक और भावनात्मक कल्याण की वह स्थिति है जिसमें आनंद, संतुष्टि और जीवन के सार्थक होने का गहरा अहसास जुड़ा होता है। यह एक ऐसी मानसिक अवस्था है जहां सकारात्मक भावनाएं हमेशा नकारात्मक भावनाओं पर हावी रहती हैं और इसे नियमित अभ्यास से साध्य किया जा सकता है। इसके लिए वर्तमान में जीना, पारिवारिक रिश्तों को संजोना, मन में कृतज्ञता का भाव रखना, सामाजिक जुड़ाव और सेहत का ध्यान रखने के साथ-साथ अपने काम में अर्थ ढूंढना बेहद जरूरी है।

सुप्रसिद्ध लेखक अच्युत गोडबोले भी इसी विचार को आगे बढ़ाते हुए कहते हैं कि हमें अपने ध्येय तक जाने वाले रास्ते को ही अपना ध्येय मान लेना चाहिए। मशहूर गायक हेमंत कुमार द्वारा गाए गए एक बेहद लोकप्रिय गीत की पंक्ति 'राह बनी खुद मंजिल' में भी यही गूढ़ तत्वज्ञान छिपा है। यह पंक्ति हमें सिखाती है कि मंज़िल या मुकाम पर जब पहुंचेंगे तब पहुंचेंगे, लेकिन अभी के क्षण को पकड़कर, राह को ही मंजिल मानकर तन्मयता से काम करना ही सच्ची खुशी का मार्ग है।

जब व्यक्ति परिणामों के डर और भविष्य की चिंताओं को छोड़कर वर्तमान के किसी सृजनात्मक कार्य में खुद को झोंक देता है, तो बड़े से बड़ा मानसिक तनाव भी गायब हो जाता है। इसका एक जीवंत उदाहरण सुजाता के जीवन में देखने को मिलता है, जिनके पति सेना में हैं। भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान, जब हर घंटे तनाव भरी खबरें आ रही थीं, तब सुजाता अत्यधिक मानसिक तनाव से घिर गईं। उनकी नींद गायब हो गई, भूख मर गई और किसी काम में मन लगना बंद हो गया। डॉक्टरों के इलाज के बाद भी उनकी स्थिति में कोई सुधार नहीं हो रहा था, यहां तक कि वे अपनी छोटी बेटी पर भी ध्यान नहीं दे पा रही थीं। एक दिन उनकी मासूम बेटी ने उनकी गोद में आकर जिद की कि उसे एक कपड़े की गुड़िया बना कर दें, क्योंकि बहुत दिनों से उसकी मां उसके साथ खेली भी नहीं थी। बेटी की इस जिद पर सुजाता ने घर में पड़े कपड़े के टुकड़े, लेस, रुई और सुई-धागा इकट्ठा किया और गुड़िया बनाने में जुट गईं। उस काम में वे ऐसी रमीं कि सुबह से शाम कब हो गई, उन्हें पता ही नहीं चला।

जब एक सुंदर सी गुड़िया बनकर तैयार हुई, तो बेटी उसे लेकर खुशी से घर में नाचने लगी और पूरा घर चहक उठा। उस रात सुजाता को बिना किसी नींद की गोली के एक गहरी और शांत नींद आई। अगले दिन जब उन्होंने आत्ममंथन किया, तो उन्हें अहसास हुआ कि जब हम किसी सकारात्मक और सृजनात्मक काम में पूरी एकाग्रता से लग जाते हैं, तो वे सकारात्मक काम हमारे भीतर के सारे नकारात्मक विचारों को दबा देते हैं। इस एक अहसास ने उनका आत्मविश्वास लौटा दिया, उन्होंने अपने बिखरे घर को संवारा और बिना दवाइयों के उनका जीवन सामान्य हो गया। वास्तव में, सुजाता की तरह हम सभी रोज और हर क्षण अपनी खुशी को खुद पहचान सकते हैं। खुशी किसी ऊंचे पद, धन-संपत्ति या बाहरी पुरस्कारों से नहीं मिलती, क्योंकि ऐसी चीजों से मिलने वाला आनंद बहुत सीमित और क्षणभंगुर होता है, जिसके बाद इंसान का मन वापस अपनी पुरानी स्थिति में आ जाता है।

स्थाई और वास्तविक खुशी तो तन-मन लगाकर किसी काम में पूरी तरह से गढ़ जाने में है फिर वह काम चाहे भोजन बनाना हो, किताब लिखना हो, गायन हो, पेंटिंग हो, कढ़ाई करना हो या कोई भी छोटा-बड़ा घरेलू काम हो। जीवन को देखने का नजरिया और खुद को आनंदित रखने की जिद ही हमें खुश रख सकती है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह नहीं है कि हम दूसरों की वजह से दुखी या सुखी है, बल्कि यह है कि हमारे कर्मों और हमारे स्वभाव के कारण कितने लोग खुश और आनंदित हो रहे हैं। बस जरूरत इस बात की है कि हम इस तन्मयता और सकारात्मकता को अपनी रोज़मर्रा की आदत में शामिल करना सीख लें।

सोमवती अमावस्या पर विशेष

श्वेता गोयल

लेखक शिक्षक हैं।

भारतीय जीवन-दर्शन का जीवंत प्रतीक

सोमवती अमावस्या का संबंध विशेष रूप से भगवान शिव और माता पार्वती की आराधना से जुड़ा हुआ है। पौराणिक मान्यता है कि इस दिन श्रद्धापूर्वक शिव-पार्वती का पूजन करने से दांपत्य जीवन में सुख-शांति बनी रहती है तथा परिवार में समृद्धि का वास होता है। विशेषकर विवाहित महिलाएं अपने पति की दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य और अखंड सौभाग्य की कामना से इस दिन व्रत रखती हैं। यह व्रत केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि वैवाहिक जीवन में प्रेम, समर्पण और विश्वास का प्रतीक भी माना जाता है। सोमवती अमावस्या के साथ पीपल वृक्ष की पूजा का विशेष महत्व जुड़ा हुआ है। हिंदू धर्म में पीपल को 'देववृक्ष' कहा गया है। पुराणों में वर्णित है कि पीपल में भगवान विष्णु,ब्रह्मा और शिव का निवास माना जाता है। इसी कारण इस दिन पीपल वृक्ष को जल, दूध, अक्षत, पुष्प, चंदन आदि अर्पित कर उसकी पूजा की जाती है। अनेक स्थानों पर महिलाएं पीपल वृक्ष के चारों ओर 108 बार परिक्रमा कर सूत याधागा लपेटती हैं। यह परिक्रमा केवल एक धार्मिक क्रिया नहीं बल्कि जीवन में स्थिरता, परिवार की रक्षा और सौभाग्य की कामना का प्रतीक मानी जाती है।

अमावस्या तिथि को असदैव विशेष आध्यात्मिक महत्व प्राप्त रहा है किंतु जब अमावस्या सोमवार के दिन पड़ती है तो उसका महत्व कई गुना बढ़ जाता है। ऐसी अमावस्या को 'सोमवती अमावस्या' कहा जाता है। 'सोम' का अर्थ चंद्रमा तथाभगवान शिव से है और सोमवार भगवान शिव की आराधना का प्रमुख दिन माना जाता है। इसलिए सोमवार को आने वाली अमावस्या शिव-शक्ति की उपासना, पितृ तर्पण, दान-पुण्य तथा आत्मशुद्धि के लिए अत्यंत शुभ मानी गई है। इस वर्ष उदया तिथि के अनुसार सोमवती अमावस्या 15 जून को मनाई जाएगी। धार्मिक मान्यताओं, दुर्लभ ग्रह-नक्षत्र संयोगों तथा विशेष योगों के कारण इस बार की सोमवती अमावस्या को अत्यंत फलदायी माना जा रहा है। अमावस्या को हिंदू धर्म ग्रंथों में आत्ममंथन, साधना और पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने की तिथि बताया गया है। अमावस्या के दिन सूर्य और चंद्रमा एक ही राशि में स्थित होते हैं, जिसके कारण चंद्रमा का प्रकाश पृथ्वी पर दिखाई नहीं देता। आध्यात्मिक दृष्टि से यह अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने का प्रतीक माना जाता है। सोमवती अमावस्या इसी आध्यात्मिक भाव को और अधिक प्रबल बनाती है क्योंकि यह भगवान शिव की कृपा प्राप्त करने का दुर्लभ अवसर मानी जाती है।

इस वर्ष की सोमवती अमावस्या अनेक शुभ संयोगों के कारण विशेष चर्चा में है। ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग, अमृत सिद्धि योग तथा चंद्र-आदित्य योग का निर्माण हो रहा है। ये योग शास्त्रों में अत्यंत शुभ और सिद्धिदायक माने गए हैं। माना जाता है कि इन योगों में किया गया जप, तप, दान, पूजन और धार्मिक अनुष्ठान कई गुना अधिक फल प्रदान करता है। इसके साथ ही मृगशिरा नक्षत्र का संयोग भी इस दिन के महत्व को बढ़ा रहा है। मृगशिरा नक्षत्र को खोज, ज्ञान, आध्यात्मिक उन्नति और शुभ कार्यों का नक्षत्र माना जाता है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, इस बार ग्रहों की स्थिति भी अत्यंत अनुकूल मानी जा रही है। चंद्रमा वृषभ राशि में स्थित रहेंगे, जो उनकी उच्च राशि मानी जाती है। बुध अपनी स्वराशि मिथुन में रहेंगे, गुरु कर्क राशि में तथा मंगल मेष राशि में स्थितहोंगे, वहीं शनिदेव मीन राशि में विराजमान रहेंगे। ज्योतिषाचार्यों का मानना है कि शुभ ग्रहों की यह स्थिति जीवन में सकारात्मक ऊर्जा, मानसिक संतुलन, आर्थिक उन्नति और आध्यात्मिक प्रगति का संकेत देती है। विशेष रूप से गुरु और शुक्र की अनुकूल स्थिति को समृद्धि, वैवाहिक सुख और पारिवारिक खुशहाली का कारक माना गया है।

सोमवती अमावस्या का संबंध विशेष रूप से भगवान शिव और माता पार्वती की आराधना से जुड़ा हुआ है। पौराणिक मान्यता है कि इस दिन श्रद्धापूर्वक शिव-पार्वती का पूजन करने से दांपत्य जीवन में सुख-शांति बनी रहती है तथा परिवार में समृद्धि का वास होता है। विशेषकर विवाहित महिलाएं अपने पति की दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य और अखंड सौभाग्य की कामना से इस दिन व्रत रखती हैं। यह व्रत केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि वैवाहिक जीवन में प्रेम, समर्पण और विश्वास का प्रतीक भी माना जाता है। सोमवती अमावस्या के साथ पीपल वृक्ष की पूजा का विशेष महत्व जुड़ा हुआ है। हिंदू धर्म में पीपल को 'देववृक्ष' कहा गया है। पुराणों में वर्णित है कि पीपल में भगवान विष्णु,ब्रह्मा और शिव का निवास माना जाता है। इसी कारण इस दिन पीपल वृक्ष को जल, दूध, अक्षत, पुष्प, चंदन आदि अर्पित कर उसकी पूजा की जाती है। अनेक स्थानों पर महिलाएं पीपल वृक्ष के चारों ओर 108 बार परिक्रमा कर सूत याधागा लपेटती हैं। यह परिक्रमा केवल एक धार्मिक क्रिया नहीं बल्कि जीवन में स्थिरता, परिवार की रक्षा और सौभाग्य की कामना का प्रतीक मानी जाती है।

अमावस्या तिथि का संबंध पितरों से भी विशेष रूप से जुड़ा हुआ है। हिंदू मान्यता के अनुसार इस दिन किए गए तर्पण, श्राद्ध और दान से पितृ प्रसन्न होते हैं तथा अपने वंशजों को आशीर्वाद प्रदान करते हैं। गरुड़ पुराण और अन्य धर्मग्रंथों में अमावस्या पर पितरों के निमित्त तर्पण को अत्यंत पुण्यदायी बताया गया है। इसलिए अनेक लोग इस दिन पवित्र नदियों, सरोवरों या तीर्थस्थलों पर जाकर स्नान करते हैं और अपने पूर्वजों का स्मरण करते हुए तर्पण करते हैं। यह परंपरा भारतीय संस्कृति में परिवार और वंश परंपरा के प्रति सम्मान और कृतज्ञता की भावना को दर्शाती है।

धार्मिक दृष्टि से सोमवती अमावस्या आत्मसंयम और सदाचार का भी पर्व है। इस दिन प्रातःकाल ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करने, स्वच्छ वस्त्र धारण करने तथा भगवान शिव का जलाभिषेक करने का विशेष महत्व बताया गया है। शिवलिंग पर जल, दूध, बेलपत्र, धतूरा और अक्षत अर्पित कर 'ऊँ नमः शिवाय' मंत्र का जप अत्यंत शुभ माना जाता है। माता पार्वती की आराधना से पारिवारिक सुख और वैवाहिक जीवन में मधुरता आने की मान्यता है।

दान-पुण्य की दृष्टि से भी यह तिथि अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। धर्मशास्त्रों में कहा गया है कि अमावस्या पर किया गया दान अक्षय फल प्रदान करता है। इस दिन अन्न, वस्त्र, फल, तिल, घी, दक्षिणा तथा जरूरतमंदों को भोजन कराने का विशेष महत्व है। अन्नदान को सर्वोच्च दान कहा गया है क्योंकि इससे किसी भूखे व्यक्ति की तत्काल सहायता होती है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन किया गया दान न केवल व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा लाता है बल्कि समाज में करुणा और सहयोग की भावना को भी मजबूत करता है। सोमवती अमावस्या केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं है बल्कि यह आत्मचिंतन और आध्यात्मिक जागरण का अवसर भी प्रदान करती है। आधुनिक जीवन की व्यस्तताओं के बीच यह दिन हमें अपने भीतर झांकने, पूर्वजों को स्मरण करने, प्रकृति के प्रति सम्मान व्यक्त करने और ईश्वर के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने का संदेश देता है। पीपल की पूजा पर्यावरण संरक्षण की भावना को भी प्रोत्साहित करती है क्योंकि भारतीय संस्कृति में वृक्षों को केवल जैविक संसाधन नहीं बल्कि जीवनदाता माना गया है। वर्तमान समय में जब परिवारों में पीढ़ियों के बीच संवाद कम होता जा रहा है, तब पितृ तर्पण और पूर्वज स्मरण की परंपरा हमें अपनी जड़ों से जुड़े रहने की प्रेरणा देती है। इसी प्रकार दान और सेवा की परंपरा समाज में सहानुभूति और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को मजबूत करती है। इसलिए सोमवती अमावस्या केवल एक धार्मिक तिथि नहीं बल्कि भारतीय जीवन-दर्शन का जीवंत प्रतीक है। श्रद्धा, भक्ति, संयम और सेवा भाव के साथ मनाई गई यह अमावस्या निश्चित रूप से जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त कर सकती है। यही कारण है कि सनातन परंपरा में सोमवती अमावस्या को केवल एक तिथि नहीं बल्कि पुण्य, परंपरा और परमात्मा से जुड़ने का दुर्लभ अवसर माना गया है।

रक्तदान महादान है : उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल

रक्तदाता सम्मान समारोह में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री

भोपाल । उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि रक्तदान महादान है। रक्तदान करके मानवता की सेवा में अमूल्य योगदान दिया जा सकता है। रक्तदान से दूसरों का जीवन भी बचता है। उप मुख्यमंत्री ब्राम्हाकुमारी संस्थान रीवा द्वारा आयोजित रक्तदाता सम्मान समारोह में शामिल हुए और रक्तदाताओं को सम्मानित किया तथा प्रमाण पत्र वितरित किये। संस्थान में आयोजित कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि रक्तदान-जीवनदान है और यह मानवता की पहचान भी है। इस पुनीत कार्य में सहभागिता कर रक्तदाताओं ने मानवता की सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। रक्तदान द्वारा जरूरतमंद व्यक्ति की जिंदगी को बचाया जा सकता है। स्वास्थ्य के लिए भी रक्तदान बहुत लाभकारी है। रक्तदान से शरीर में जितने खून की कमी होती है उसे शरीर कुछ ही दिनों में नया रक्त बनाकर पूरा कर देता है। नियमित रक्तदान से ह्मदय रोग सहित अन्य गंभीर रोगों का खतरा कम होता है। उप मुख्यमंत्री ने नागरिकों से अपील की वह नियमित रूप से रक्तदान करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। इस अवसर पर ब्राम्हाकुमारी संस्थान द्वारा उप मुख्यमंत्री जी का सम्मान किया गया। इस अवसर पर दीदी निर्मला, भाई प्रकाश जी सहित बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

प्रशासन ने जारी किया नो-ड्रोन आदेश, 12 घंटे का प्रतिबंध

18 जून को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का दौरा, आदिवासी महासम्मेलन में होंगी शामिल

बैतूल। भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु 18 जून 2026 को बैतूल जिले के दौरे पर आएंगी। राष्ट्रपति लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम में ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा आयोजित आध्यात्मिक जागृति से जनजातीय समाज का सशक्तिकरण विषयक विशाल आदिवासी महासम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी और कार्यक्रम को संबोधित करेंगी। राष्ट्रपति के प्रस्तावित प्रवास को देखते हुए जिला प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं। इसी क्रम में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी डॉ. सौरभ संजय सोनवणे ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। आदेश के अनुसार, 18 जून को सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक बैतूल अनुविभाग क्षेत्र में किसी भी व्यक्ति, संस्था या संगठन द्वारा ड्रोन, यूएवी (अनमैन्ड एरियल व्हीकल) अथवा अन्य उडऩे वाले उपकरणों के संचालन पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। प्रशासन के अनुसार, यह आदेश राष्ट्रपति की सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए जारी किया गया है।

श्रीसंत भूरा भगत जन जागृति समिति ने लिया निर्णय, मृत्यु भोज सीमित करें

सोहागपुर । कतिया समाज की श्री संत भूरा भक्त जन जागृति समिति की बैठक इंदिरा वार्ड में समाज के वरिष्ठ समाज सेवी आदरणीय शंकरलाल अरसे की अध्यक्षता में उनके निज निवास पर संपन्न हुई। इस बैठक में इंदिरा वार्ड, तिलक वार्ड,पलाश परिसर,मातापुरा वार्ड,गांधी वार्ड, शास्त्री वार्ड,के आदिवासी ग्राम सिंगवाड़ा, ग्राम दूराखापा, ग्राम लांघा बम्होरी, ग्राम बांसखापा के सजातीय बन्धु उपस्थित थे। बैठक के उपरांत श्री संत भूरा भक्त जन जागृति समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि इस बैठक में आगामी विवाह वर्ष में कतिया समाज का परिचय सम्मेलन एवं सामूहिक विवाह कराना , मृत्यु भोज के स्वरूप छोटा करना,निजी या सामाजिक कार्यों में भोजन का एक निश्चित मेन्यू लागू हो,,एजुकेशन हब, एग्जाम सेंटर भोपाल जैसे महानगर में सामाजिक युवा एग्जाम देने जाते है उनके लिए रियात दर पर भोजन व आवास की व्यवस्था के अतिरिक्त अन्य सामाजिक विषयों पर चर्चा हुई। इस अवसर पर शंकरलाल अरसे, रमेश भन्नरिया, संतोष बेलवंशी शंकर नायक, परसराम नागवंशी, रमेश अरसे, हरलाल बेलवंशी, निरंजन देव अरसे, मनमोहन चंद्रवंशी , राकेश पठारिया, लांझेशजी एल आई सी, देवेन्द्र जावरे, अनिल जागवंशी, अजय आमरवंशी, रवीन्द्र बारसिया, रत्नेश नागवंशी, रामाधार नागेश, कपिल बाने, बलराम बेलवंशी, श्रवण भन्नारिया, कमलेश आमरवंशी, मुकेश नायक, वरिष्ठ पार्षद धर्मदास बेलवंशी आदि सामाजिक बन्धु उपस्थित थे। समिति ने निर्णय लिया कि आगामी जुलाई माह की बैठक तिलक वार्ड में रवीन्द्र बारसिया के निवास पर होगी अंत में आभार निरंजन देव आरसे ने व्यक्त किया।

बरसों तक मुलताईवासियों की प्यास बुझाने वाले कुएं तोड़ रहे दम

आधा दर्जन सार्वजनिक कुएँ हार चुके अस्तित्व की लड़ाई, संरक्षण की बाट जोह रहे परंपरागत जल स्रोत

बैतूल/मुलताई। पवित्र नगरी मुलताई के वे कुएँ, जिनका जल पीकर अनेकों पीढ़ियाँ पली-बढ़ीं और जो वर्षों तक नगर की सामाजिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक परंपराओं के साक्षी रहे, आज उपेक्षा के कारण अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रहे हैं। कभी नगरवासियों की प्यास बुझाने वाले ये परंपरागत जल स्रोत आज कहीं कचरे के ढेर में तब्दील हो चुके हैं तो कहीं मलबे के नीचे दबकर अपनी पहचान खो चुके हैं। जब-जब शासन द्वारा परंपरागत जल स्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए योजनाएं शुरू की जाती हैं, तब नगर के ये ऐतिहासिक कुएँ मानो पुनर्जीवन की आशा से प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की ओर देखते हैं। दुर्भाग्य से योजनाएं आती हैं और चली जाती हैं, लेकिन इन जल स्रोतों की स्थिति में कोई ठोस सुधार नहीं हो पाता। ताप्ती तट से प्रतिवर्ष जिला स्तरीय जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ किया जाता है। इस अभियान का उद्देश्य तालाबों, नदियों, बावड़ियों और कुओं का संरक्षण एवं पुनर्जीवन है, किंतु इस वर्ष भी यह अभियान नगर के दम तोड़ते कुओं को नई जिंदगी देने में असफल दिखाई दिया। नगर के दर्जनों कुएँ आज भी किसी भागीरथ की प्रतीक्षा कर रहे हैं, जो उन्हें पुनर्-जीवनदान दे सके।

आधा दर्जन से अधिक सार्वजनिक कुएँ हो चुके हैं समाप्त – नगर के आधा दर्जन से अधिक सार्वजनिक कुएँ पूरी तरह समाप्त हो चुके हैं या उनका अस्तित्व तलाशना मुश्किल हो गया है। बदलती जीवनशैली, भूजल दोहन और प्रशासनिक उपेक्षा के कारण ये जल स्रोत इतिहास बनते जा रहे हैं। पटेल वार्ड में पुराने अस्पताल के सामने स्थित प्राचीन कुआँ अब पूरी तरह समाप्त हो चुका है। सिविल लाइन स्थित हाई स्कूल मैदान का ऐतिहासिक कुआँ भवन निर्माण कार्य के दौरान मलबा भरकर बंद कर दिया गया। इसी प्रकार प्राचीन ताप्ती मंदिर गली में शिवचरण सेठ के मकान के पीछे स्थित कुआँ भी बंद कर दिया गया है। पुलिस लाइन क्षेत्र में स्थित मीठे पानी का प्रसिद्ध कुआँ एक वर्ष पूर्व बाउंड्रीवाल निर्माण के दौरान कचरा एवं मलबा डालकर समाप्त कर दिया गया। आज उसके अवशेष भी मुश्किल से दिखाई देते हैं। नाका नंबर-1 स्थित पुराने आरटीओ कार्यालय के सामने बना सार्वजनिक कुआँ भी अब इतिहास का हिस्सा बन चुका है। नगर में जो कुएँ अभी शेष हैं, उनमें से अधिकांश रखरखाव के अभाव में कचरे से भर चुके हैं और धीरे-धीरे समाप्ति की ओर बढ़ रहे हैं।

मामाजी का सदाबहार कुआँ आज भी बुझा रहा प्यास

फव्वारा चौक स्थित प्रसिद्ध मामा जी का कुआँ कभी नगरवासियों के लिए जीवनदायिनी धरोहर माना जाता था। भीषण गर्मी के दिनों में भी इस कुएँ का जल कभी नहीं सूखता था और सैकड़ों परिवारों की प्यास बुझाता था। वर्तमान में भी अनेक परिवार इस कुएँ के पानी का उपयोग कर रहे हैं। स्थानीय नागरिक राजा खंडेलवाल बताते हैं कि कुछ वर्ष पूर्व समाज के लोगों ने मिलकर इसकी सफाई करवाई थी, लेकिन नगरपालिका द्वारा आज तक इसके संरक्षण के लिए कोई ठोस प्रयास नहीं किया गया। उनका कहना है कि यदि कुएँ की गहराई बढ़ाकर इसकी नियमित सफाई कराई जाए तथा यहाँ हेडपंप स्थापित किया जाए तो यह आने वाली पीढ़ियों के लिए भी उपयोगी साबित हो सकता है।

सोहागपुर नवीन थाना प्रभारी श्री त्रिपाठी का आगमन

सोहागपुर । नर्मदापुरम के पुलिस अधीक्षक (एसपी) साईं कृष्णा थोटा ने पुलिस विभाग के हालिया फेरबदल में आदेश जारी किया गया है । इस प्रशासनिक बदलाव में सोहागपुर थाना प्रभारी राहुल रायकवार को सोहागपुर से हटाकर केसला थाने की जिम्मेदारी दी गई है । आज उनके स्थान पर पिपरिया (मंगलवारा) थाना प्रभारी गिरीश त्रिपाठी को सोहागपुर का नया थाना प्रभारी बनाया गया है । आज श्री त्रिपाठी ने सोहागपुर थाने का प्रभार ग्रहण किया है । सोमवार को नवीन थाना परिसर में दोपहर 1 आप सभी पत्रकारों से सौजन्य भेंट करेंगे । इसी क्रम में नर्मदापुरम जिले में थाना प्रभारियों का फेर-बदल किया गया है । जिसमें इसके पूर्व में सोहागपुर पुलिस थाने में एवं वर्तमान में नर्मदापुरम कोतवाली में पदस्थ थाना प्रभारी कंचनसिंह को माखन नगर थाना प्रभारी नियुक्त किया गया है ।

4147 प्रतिभागियों ने ऑनलाइन पंजीयन कर किया योगाभ्यास

बैतूल। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में रविवार को जिला प्रशासन एवं नगर पालिका के सहयोग से आयुष विभाग और शिक्षा विभाग द्वारा शिवाजी ओपन ऑडिटोरियम बैतूल में सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रातः 6.15 बजे आयोजित कार्यक्रम में कलेक्टर डॉ सौरभ संजय सोनवणे ने योगाभ्यास स्थल पहुंचकर व्यवस्थाओं एवं कार्यक्रम की जानकारी ली। जिला आयुष अधिकारी डॉ. योगेश चौकीकर ने बताया कि कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक संगठनों, विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं नागरिकों ने सहभागिता कर ऑनलाइन जुड़कर योगाभ्यास का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने के प्रयास में भाग लिया। जिले से कुल 4147 प्रतिभागियों ने ऑनलाइन पंजीयन कर योगाभ्यास किया, जबकि जिले के 17 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों सहित विभिन्न स्थानों पर 902 लोगों ने सामूहिक रूप से ऑनलाइन एवं ऑफलाइन योगाभ्यास में सहभागिता की। कार्यक्रम में शिक्षा विभाग की ओर से नर्मदा प्रसाद मिश्रा, योग प्रशिक्षक कुमारी पारुल पालीवाल, सागर शिवनकर एवं गीता पवार सहित अन्य उपस्थित है।

पुरुषोत्तम मास में एक माह तक चला श्रीमद्भागवत महापुराण पारायण

लीलादेव बाबा मंदिर में 12 स्कंधों के सार का हुआ वाचन

बैतूल। अधिक मास (पुरुषोत्तम मास) के पावन अवसर पर श्री लीला देव बाबा मंदिर ट्रस्ट द्वारा 17 मई से मंदिर परिसर में एक माह का श्रीमद्भागवत महापुराण पारायण, नित्य पूजन एवं धार्मिक अनुष्ठान कार्यक्रम श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ संपन्न किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार, कलश पूजन एवं भगवान श्रीकृष्ण के पूजन-अर्चन के साथ हुआ। प्रथम दिवस मंदिर से भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, मातृशक्ति और युवाओं ने भाग लिया। पूरे आयोजन के दौरान प्रतिदिन भगवान श्रीकृष्ण एवं श्रीहरि विष्णु का विधिवत पूजन, अभिषेक, आरती तथा श्रीमद्भागवत महापुराण का पारायण कराया गया। कथा एवं पारायण का संचालन पंडित नरेन्द्र दुबे के सान्निध्य में हुआ। उन्होंने भागवत महापुराण के आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक संदेशों का सरल और प्रभावी प्रस्तुतीकरण किया, जिससे श्रद्धालुओं को धर्म, भक्ति और सदाचार के प्रति प्रेरणा मिली। आयोजन का मुख्य उद्देश्य पुरुषोत्तम मास में श्रीमद्भागवत महापुराण के संपूर्ण पाठ का श्रवण और पारायण कराना था। इस दौरान भागवत के 12 स्कंधों, 365 अध्यायों तथा लगभग 18 हजार श्लोकों के सार का विधिवत वाचन और व्याख्यान किया गया। प्रतिदिन करीब दो घंटे तक चलने वाले कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु कथा श्रवण के लिए उपस्थित रहे। कार्यक्रम में लगभग 20 यजमान परिवारों ने सहभागिता कर सामूहिक पूजन एवं धार्मिक अनुष्ठानों में सक्रिय योगदान दिया। श्रद्धालुओं को भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं, भक्तियोग, कर्मयोग, धर्म स्थापना तथा मानव जीवन के आदर्श मूल्यों की जानकारी दी गई। साथ ही पुरुषोत्तम मास को आत्मचिंतन, जप, तप, दान और ईश्वर भक्ति का श्रेष्ठ अवसर बताया गया। श्रीमद्भागवत महापुराण के द्वादश स्कंध का वाचन पूर्ण होने पर विशेष पूजन, महाआरती और प्रसाद वितरण किया गया। समापन अवसर पर सभी यजमान परिवारों, श्रद्धालुओं एवं सहयोगकर्ताओं का सम्मान कर उनका आभार व्यक्त किया गया। मंदिर ट्रस्ट ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी भक्तजनों का अभिनंदन किया। ट्रस्ट के अनुसार यह धार्मिक अनुष्ठान समाज में धर्म, संस्कृति, सद्भाव और सेवा की भावना को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण एवं प्रेरणादायी सिद्ध हुआ।

सूने मकान में चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

एक लाख के जेवर बरामद, रायसेन से आकर की थी वारदात

बैतूल। कोतवाली पुलिस ने सूने मकान में हुई चोरी के मामले का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से करीब एक लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के जेवर बरामद किए हैं। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है। चंद्रशेखर वार्ड निवासी विजय सिंह तोमर ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि 5 जनवरी 2026 को वे अपने घर में ताला लगाकर बहन के यहां गए थे। रात करीब 1 बजे लौटने पर उन्हें घर का ताला टूटा मिला। घर की अलमारी से सोने-चांदी के जेवर, नकदी और महत्वपूर्ण दस्तावेजों से भरी एक अटैची चोरी हो गई थी। इस संबंध में

कोतवाली थाने में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। जांच के दौरान पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर कार्रवाई की। पुलिस ने संदिग्ध प्रवीण उर्फ अन्ना लांजीवार और कासिफ उर्फ सोहेल खान को हिरासत में लिया। पूछताछ में दोनों ने चोरी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक सोने का मंगलसूत्र, एक जोड़ी चांदी की बिछिया और एक जोड़ी चांदी की पैरपट्टी बरामद की है। बरामद जेवरों की कुल कीमत लगभग एक लाख रुपये आंकी गई है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान प्रवीण उर्फ अन्ना लांजीवार (27) निवासी बगीचा कॉलोनी, मंडीदीप, जिला रायसेन और कासिफ उर्फ सोहेल खान (30) निवासी सतलापुर, मंडीदीप, जिला रायसेन के रूप में हुई है।

पलकमती नदी के निकट पीपल का पौधारोपण

सोहागपुर । कुशवाहा मौर्य क्षत्रिय समाज संगठन सोहागपुर के जिला अध्यक्ष श्री राजेश कुशवाहा (बाबूजी) के जन्मदिवस के अवसर पर आज संगठन के सदस्यों ने स्थानीय पलकमति नदी के पास पीपल के पौधे का रोपण किया । उक्त पीपल का पौधारोपण प्रकृति संरक्षण में अपना योगदान प्रदान करने के लिए किया गया ।इस अवसर पर संगठन के वरिष्ठ सदस्य गोपाल शंकर मासाव, संतोष मौर्य , दादूराम कुशवाहा, अशोक कुशवाहा, नर्मदा प्रसाद कुशवाहा, रमेश ठेकेदार गुड्डू भाई ,रमेश कुशवाहा, मुकेश कुशवाहा,सचिन कुशवाहा जिला सचिव राजेश मौर्य , रामप्रसाद वार्ड पार्षद आशीष विश्वकर्मा आदि उपस्थित थे । उक्त आश्य की जानकारी जिला मौर्य क्षत्रिय समाज संगठन के जिला सचिव राजेश मौर्य ने इस प्रतिनिधि को दी ।

बैतूल पुलिस विभाग में 64 अधिकारियों और कर्मचारियों के तबादले

6 एएसआई, 22 प्रधान आरक्षक, 31 आरक्षक शामिल

बैतूल। जिले में पुलिस अधीक्षक ने कानून-व्यवस्था को और मजबूत बनाने तथा प्रशासनिक कार्यकुशलता बढ़ाने के उद्देश्य से बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। जारी आदेश के तहत जिले के 64 पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों का तबादला किया गया है। सभी स्थानांतरित कर्मचारियों को तत्काल नई पदस्थापना पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। जारी तबादला आदेश के अनुसार, स्थानांतरित कर्मचारियों में 6

सहायक उप निरीक्षक (एएसआई), 22 प्रधान आरक्षक एवं कार्यवाहक प्रधान आरक्षक, 5 महिला आरक्षक और 31 आरक्षक शामिल हैं। इन्हें जिले के विभिन्न थानों और इकाइयों में नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। तबादला सूची में कोतवाली, गंज, आमला, मुलताई, भैंसदेही, शाहपुर, रानीपुर, चिचोली, सांईखेड़ा, झल्लार और बोरदेही सहित जिले के अधिकांश थाने शामिल हैं। पुलिस विभाग के अनुसार कई कर्मचारियों को कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करने और कार्यकुशलता बढ़ाने के उद्देश्य से संवेदनशील थानों में पदस्थ किया गया है। आदेश के तहत सहायक उप निरीक्षक अरुण यादव को कोतवाली से झल्लार, मूलचंद अनंत को आमला से भैंसदेही, सुरेश कुमार चौधरी को कोतवाली से बोरदेही और विजय कुमार जोठे को मुलताई से चोपना भेजा गया है। वहीं दीपक कुमार मालवीय को रानीपुर से पुलिस लाइन तथा कमलसिंह मेहर को बोरदेही से आमला थाना में पदस्थ किया गया है।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के 24वें स्थापना दिवस पर आयोजित सांस्कृतिक संध्या और सम्मान समारोह संपन्न

उत्कृष्ट कार्मिक, उपभोक्ता, विजेता खिलाड़ी और रक्तदाता हुए सम्मानित

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के 24वें स्थापना दिवस पर न्यू मार्केट स्थित एपेक्स बैंक ऑडिटोरियम में आयोजित भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम, उपभोक्ता सम्मान और पुरस्कार वितरण समारोह शनिवार को हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। शाम 06:00 बजे से शुरू हुए इस गरिमामयी कार्यक्रम में जहां एक ओर बिजली कार्मिकों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से समां बांधा, वहीं दूसरी ओर बिजली कंपनी के उत्कृष्ट कार्मिकों, सजग उपभोक्ताओं, खेल प्रतियोगिताओं के विजेताओं और सामाजिक सरोकार निभाने वाले रक्तदाताओं को सम्मानित किया गया। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के 24वें स्थापना दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ प्रबंध संचालक श्री ऋषि गर्ग द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ किया गया। प्रबंध संचालक श्री ऋषि गर्ग ने सभी सम्मानित होने वाले उत्कृष्ट कार्मिक, उपभोक्ता, विजेता खिलाड़ी और रक्तदाताओं को शुभकामनाएं और बधाई दी और अपने उद्बोधन में कंपनी के त्वरित उपभोक्ता सेवाएं और निर्बाध विद्युत आपूर्ति के संकल्प को दोहराते हुए कंपनी की उपलब्धियों की जानकारी दी साथ ही उन्होंने विषम परिस्थितियों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कंपनी कार्मिकों की सराहना की। इस अवसर पर कंपनी के निदेशक (पीडीटीसी) श्री अनिल कुमार खत्री, मुख्य वित्तीय अधिकारी श्री अखिलेश कुमार पांडे, मुख्य महाप्रबंधक भोपाल क्षेत्र श्री बी.बी.एस. परिहार, मुख्य महाप्रबंधक श्रीमती स्वाति सिंह, सुश्री मनीषा मेश्राम, श्रीमती अमिता तिवारी, सहित कंपनी मुख्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल, शहर एवं संचारण संधारण वृत्त भोपाल कार्यालय के सभी अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान कंपनी की विभिन्न उपलब्धियों पर आधारित लघु फिल्मों का प्रदर्शन भी किया गया। सांस्कृतिक सत्र में कलाकारों ने शास्त्रीय एवं लोक नृत्य, सामूहिक व एकल संगीत और देशप्रेम तथा समसामयिक विषयों पर आधारित स्वरचित कविता पाठ से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

उत्कृष्ट सेवा के लिए कार्मिकों का सम्मान – कंपनी द्वारा स्थापना दिवस पर कंपनी कार्यो के लिए समर्पित कार्मिकों को उनके असाधारण और उल्लेखनीय कार्यों के लिए विशेष रूप से पुरस्कृत किया गया। प्रबंध संचालक श्री गर्ग ने ग्वालियर शहर वृत्त के सेंट्रल एचटी मेंटेनेंस सब डिवीजन में पदस्थ लाइन अटेंडेंट श्री निहाल सिंह एवं भोपाल शहर वृत्त के एचटी मेंटेनेंस सब डिवीजन (साउथ) में पदस्थ लाइन हेल्पर श्री अरुण गर्ग को सम्मानित किया गया।

सजग उपभोक्ता और रक्तदाता हुए सम्मानित – कंपनी द्वारा शहर वृत्त भोपाल एवं संचा/संधा वृत्त भोपाल के अंतर्गत नामित 02 उच्च दाब और 03 निम्न दाब उपभोक्ताओं सहित कुल 10 सजग उपभोक्ताओं को बेहतर सहयोग और समय पर बिल भुगतान के लिए स्मृति चिह्न और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। सम्मानित उपभोक्ताओं में मेसर्स टेसला ट्रांसफॉर्मर इंडिया लिमिटेड, मेसर्स एल्को इन्टेरोस्ट्रिप्स प्राइवेट लिमिटेड, मेसर्स स्टर्लिंग मैकेनिकल वर्क्स, मेसर्स ट्रांस पॉवर कोर, श्रीमती आलिया सिद्दीकी, मेसर्स ट्राइडेंट लिमिटेड, बुदनी,मेसर्स अरिस्टो फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड, सुश्री आरती साहू, मेसर्स एच एण्ड व्ही ग्रॉफिक्स एवं मेसर्स शिवाय इंडस्ट्रीज के नाम शामिल हैं। इसके साथ ही, सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए रक्तदान शिविर में सबसे पहले आगे आने वाले प्रथम 05 रक्तदाताओं को प्रबंध संचालक द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित रक्तदाताओं में श्रीमती एकता दुबे, सुश्री गुनीता, श्री समीर मिरिकर, श्री प्रशांत एवं श्री मयंक शामिल हैं।

खेल प्रतियोगिताओं के विजेता हुए सम्मानित – स्थापना दिवस के अवसर पर 12 जून को आस्था परिसर में आयोजित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रबंध संचालक ने मेडल और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया। रस्साकसी प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में विजेता छोला जोन टीम में शामिल खिलाड़ी सर्वश्री सचिन कुशवाहा, इम्तियाज, जुनैद खान, आसिफ खान, भूपेंद्र कुमार, दाऊद, विकास कुमार और फरहान खान, रस्साकसी प्रतियोगिता के महिला वर्ग में विजेता टीम में श्रीमती नीतू सिंह, सुश्री प्रीति सोनी, सुश्री क्रांति गौंड, सुश्री रेनू पटेल, सुश्री मुस्कान अहिरवार, सुश्री संध्या धाकड़, सुश्री रेखा सौंधिया, सुश्री कीर्ति पाल, सुश्री प्रिया वासनिक, सुश्री रेखा तिवारी, धीमी साइकल रेस प्रतियोगिता में प्रथम श्री संतोष प्रजापति, द्वितीय श्री रवि कुशवाहा, तृतीय श्री राजेश कुमार ठाकुर, म्यूजिकल चेयर रेस (महिला वर्ग) में प्रथम सुश्री मनीषा मेश्राम, द्वितीय श्रीमती सोनू नायक, तृतीय श्रीमती अनुपमा चौरे, म्यूजिकल चेयर रेस (पुरुष वर्ग) में प्रथम श्री सलमान खान, द्वितीय श्री कृष्ण पाल लोधी, तृतीय श्री धर्मेंद्र ठाकुर, म्यूजिकल चेयर रेस (मिश्रित वर्ग) में प्रथम श्री अनिल कुमार अहिरवार, द्वितीय श्री फारुख खान, तृतीय सुश्री संगीता शाक्या को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंतिम चरण में मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशासन) डॉ. राकेश शर्मा द्वारा सभी अतिथियों, अधिकारियों, कर्मचारियों और विजेताओं का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन महाप्रबंधक भोपाल ग्रामीण वृत्त श्री जाहिद अज़ीज खान, वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी श्री मनोज द्विवेदी एवं प्रबंधक सुश्री हिमांशी पांडे ने किया।

संक्षिप्त समाचार

सीतातलाई वन क्षेत्र में आयोजित हुआ एक्सपीरिएंशियल लर्निंग प्रोग्राम

रायसेन (निप्र)। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत मेरा युवा भारत रायसेन द्वारा सामान्य वन मंडल रायसेन के सहयोग से आयोजित एक्सपीरिएंशियल लर्निंग प्रोग्राम के तहत युवाओं का शैक्षणिक भ्रमण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम सीतातलाई रायसेन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान वन विभाग के अधिकारियों श्री संजय मौर्य ने उपस्थित युवाओं को रायसेन जिले के वन क्षेत्रों की विशेषताओं, पारिस्थितिकी तंत्र तथा जैव विविधता के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि वन केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम नहीं हैं, बल्कि वन्यजीवों, पौधों एवं मानव जीवन के बीच संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अधिकारियों ने युवाओं को रायसेन जिले के प्रमुख प्राकृतिक एवं पर्यटन स्थलों की जानकारी देते हुए क्षेत्र की समृद्ध जैव विविधता, वन संपदा तथा पर्यटन संभावनाओं से अवगत कराया। उन्होंने युवाओं को प्रकृति संरक्षण, पर्यावरण जागरूकता तथा सतत विकास के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझने के लिए प्रेरित किया।

आदतन अपराधी को प्रति सप्ताह कार्यपालिक मजिस्ट्रेट के समक्ष उपस्थिति दर्ज कराने के आदेश

रायसेन (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा पुलिस अधीक्षक के प्रतिवेदन पर मप्र राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 के अंतर्गत विभिन्न अपराधों में आरोपी राजू उर्फ जमूरा पिता श्री रमेश ठाकुर निवासी लालघाटी सिलवानी थाना सिलवानी जिला रायसेन को तत्काल प्रभाव से आगामी 06 माह की अवधि तक प्रत्येक सप्ताह के दिन शुक्रवार को तहसीलदार (कार्यपालिक मजिस्ट्रेट) तहसील सिलवानी में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के आदेश दिए गए हैं। इस आदेश का उल्लंघन होने पर संबंधित थाना प्रभारी अनावेदक के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही सम्पादित करेंगे। उल्लेखनीय है कि आरोपी राजू उर्फ जमूरा वर्ष 2014 से लगातार आपराधिक कृत्य में लिप्त है। आरोपी के विरूद्ध विभिन्न अपराधों में आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध हैं।

पांच दिवसीय सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षण आयोजित

सीहोर (निप्र)। प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन एवं आईटीसी मिशन सुनहरा कल द्वारा कौशल विकास प्रशिक्षण एवं इकोसिस्टम कार्यक्रम के अंतर्गत सीहोर स्थित डाइट संस्थान में 08 से 12 जून तक पांच दिवसीय सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य शासकीय आईटीआई के ट्रेनर्स को सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षण देकर इनके माध्यम से आगामी सत्र में आने वाले आईटीआई स्टूडेंट्स को सॉफ्ट स्किल का प्रशिक्षण दिलाना था। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से चर्चा की और सभी प्राचार्यों को निर्देशित किया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण सभी ट्रेनर्स के लिए आयोजित किये जाये। प्रशिक्षण में सीहोर जिले के सभी शासकीय आईटीआई के 05 प्राचार्य एवं 15 ट्रेनर्स ने भाग लिया। प्रशिक्षण में डिजिटल रीडीनेस, इफेक्टिव

■ वनाधिकार, सीमांकन, खाद वितरण एवं फार्मर आईडी कार्यों की समीक्षा

कलेक्टर ने भैरूंदा तहसील के ग्रामों का किया निरीक्षण, दिए आवश्यक निर्देश

योजनाओं का वास्तविक लाभ तभी मिलेगा जब उनका प्रभावी क्रियान्वयन जमीनी स्तर पर सुनिश्चित किया जाये

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने भैरूंदा तहसील के ग्रामों का निरीक्षण कर शासन की योजनाओं तथा राजस्व एवं कृषि संबंधी कार्यों की जमीनी स्थिति का निरीक्षण किया। उन्होंने ग्राम भिलाई, झाली-मारियाडो-लाड़कुई तथा सनकोटा पहुंचकर विभिन्न कार्यों की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को कार्यों में गति लाने तथा आमजन की समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। ग्राम भिलाई में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने वन मित्र पोर्टल के माध्यम से संचालित वनाधिकार अधिनियम (एफआरए) से संबंधित कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने स्वयं वन मित्र पोर्टल का संचालन कर उसकी कार्यप्रणाली को समझा तथा अधिकारियों से लंबित एवं निराकृत प्रकरणों की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि पात्र हितग्राहियों के प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण किया जाये तथा किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब न होने दिया जाये। उन्होंने कहा कि वनाधिकार अधिनियम का उद्देश्य पात्र वनवासियों एवं परंपरागत वन निवासियों को उनके अधिकार प्रदान करना है, इसलिए सभी प्रकरणों का गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ निराकरण किया जाना चाहिए।

लाड़कुई में निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने खाद वितरण की ई-टोकन प्रणाली का भी अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों को निर्धारित प्रक्रिया एवं पात्रता के अनुसार खाद उपलब्ध कराई जाये तथा वितरण व्यवस्था पूरी तरह पारदर्शी रहे। उन्होंने कहा कि कृषि कार्यों के लिए खाद की उपलब्धता अत्यंत महत्वपूर्ण है और

किसानों को किसी प्रकार की कठिनाई नहीं होनी चाहिए। इसके पश्चात कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने ग्राम झाली-मारियाडो-लाड़कुई में चल रहे रास्ता विवाद के सीमांकन कार्य का निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

ग्राम सनकोटा में कलेक्टर ने फार्मर आईडी कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने ग्रामवासियों से चर्चा कर फार्मर आईडी के महत्व के बारे में जानकारी दी और अधिक से अधिक किसानों को फार्मर आईडी बनवाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि फार्मर आईडी किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है, जिसके माध्यम से उन्हें विभिन्न शासकीय योजनाओं और सुविधाओं का लाभ प्राप्त होता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि फार्मर आईडी बनाने का कार्य तेजी से संचालित किया जाये तथा कोई भी पात्र किसान इससे वंचित न रहे। निरीक्षण के दौरान ग्रामवासियों द्वारा कलेक्टर श्री बालागुरू के. को गांव में पेयजल आपूर्ति प्रभावित होने की समस्या से अवगत कराने पर कलेक्टर ने तत्काल जल निगम के अधिकारियों से चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिये। उन्होंने ग्रामवासियों को आश्वस्त कराते हुए कहा कि पाइपलाइन में मरम्मत कार्य किए जाने के कारण जलापूर्ति प्रभावित हुई थी, लेकिन मरम्मत कार्य पूर्ण होते ही आगामी दिवस से नियमित रूप से पानी की आपूर्ति शुरू कर दी जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संबंधी शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जाये।

जिले के सभी जनपदों एवं नगरीय निकायों में जनकल्याण शिविर आयोजित

▸▸ जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने हितग्राहियों को किए हितलाभ वितरित

सीहोर (निप्र)। जिले के सभी जनपदों एवं नगरीय निकायों में जनकल्याण शिविर आयोजित किए गए। शिविरों में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को योजनाओं के प्रमाण पत्र प्रदान किए और शिविरों का निरीक्षण किया। शिविरों में विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर पात्र नागरिकों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया गया। इन शिविरों का उद्देश्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से वंचित पात्र हितग्राहियों तक लाभ पहुंचाना तथा उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करना है।

इसी प्रकार 15 एवं 16 जून को भी सभी जनपदों एवं नगरीय निकायों में शिविर लगाए जाएंगे। सीहोर जनपद पंचायत कार्यालय में आयोजित शिविर में जनपद अध्यक्ष श्रीमती नावड़ी बाई और जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव ने हितग्राहियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर जनपद उपाध्यक्ष श्री ललित दांगी, जनपद सीईओ श्रीमती नमिता बघेल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी और नागरिक उपस्थित थे। इसी प्रकार सीहोर नगर पालिका द्वारा भी जनकल्याण शिविर आयोजित किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष श्री प्रिंस राठौर और पार्षद श्रीमती मीना दिलीप राठौर ने शिविर का शुभारंभ किया। इस अवसर पर नगर पालिका सीएमओ श्री सुधीर सिंह सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी शामिल हुए।

इसी प्रकार इछावर जनपद कार्यालय में आयोजित शिविर में इछावर नगर परिषद अध्यक्ष श्री देवेंद्र वर्मा, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव, श्री जगदीश पटेल, श्री शंकर जायसवाल, एसडीएम श्रीमती स्वाति मिश्रा, जनपद सीईओ श्रीमती रूषाली पोरष शामिल हुए और हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए। इसके साथ ही जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव ने जनपद कार्यालय के निर्माणाधीन नीवन भवन का निरीक्षण भी किया और अधिकारियों को समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढ़ंग से कार्य पूरा करने के निर्देश दिए।

बुधनी जनपद कार्यालय में आयोजित शिविर में विधायक श्री रमाकांत भार्गव, एसडीएम श्री दिनेश सिंह तोमर, सलकनपुर ट्रस्ट अध्यक्ष श्री महेश उपाध्याय, जनपद उपाध्यक्ष श्री हर्मेंद्र नागर, जनपद सीईओ श्रीमती सुप्रिया दुफारे सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी शामिल हुए और हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए।

भैरूंदा में आयोजित शिविर में एसडीएम श्री सुधीर कुशवाह और जनपद सीईओ श्री संजय अग्रवाल शामिल हुए और हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए। इसी प्रकार आष्टा जनपद कार्यालय में आयोजित शिविर में भी हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए गए और योजनाओं की जानकारी दी गई।

सब्जी मंडियों में खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई

एथलीन रिपाइनर एवं फलों के नमूने जांच के लिए लिए गए

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा जिले की प्रमुख सब्जी मंडियों में निरीक्षण एवं जांच अभियान चलाया गया। यह कार्रवाई दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित खबर 'सब्जी मंडी में फेंकी जा रही केमिकल युक्त सामग्री' को गंभीरता से लेते हुए की गई।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम ने तहसील विदिशा एवं गंजबासौदा स्थित सब्जी मंडियों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि फल विक्रेताओं द्वारा फलों को पकाने के लिए भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित एथलीन रिपाइनर का उपयोग किया जा रहा है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि एथलीन रिपाइनर फलों को सुरक्षित रूप से पकाने के लिए मान्यता प्राप्त माध्यम है, लेकिन इसके उपयोग के बाद होने वाले अपशिष्ट का उचित निपटान किया जाना आवश्यक है। निरीक्षण के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने फल विक्रेताओं को सख्त निर्देश दिए कि एथलीन रिपाइनर अथवा उससे संबंधित किसी भी सामग्री को खुले स्थानों, मंडी परिसर या सड़कों पर न फेंका जाए। इसके निपटान के लिए नगरपालिका की कचरा संग्रहण व्यवस्था का उपयोग किया जाए, ताकि पर्यावरण एवं जनस्वास्थ्य पर किसी प्रकार का प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा गुणवत्ता एवं सुरक्षा की जांच के उद्देश्य से विदिशा मंडी से एथलीन रिपाइनर तथा आम के नमूने एकत्रित किए गए।

इसके अतिरिक्त गंजबासौदा मंडी से भी आम के नमूने जांच के लिए लिए गए। सभी नमूनों को प्रयोगशाला परीक्षण हेतु भेजा जा रहा है, जहां उनकी गुणवत्ता एवं खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुरूपता की जांच की जाएगी। यह कार्रवाई खाद्य सुरक्षा प्रशासन विदिशा तथा नगर पालिका परिषद विदिशा एवं गंजबासौदा की संयुक्त टीम द्वारा की गई।

अधिकारियों ने बताया कि उपभोक्ताओं को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिले में इस प्रकार की निगरानी एवं जांच की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। साथ ही खाद्य व्यवसाय संचालकों को खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर आवश्यक निर्देश भी दिए जाते रहेंगे।

जिले में रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन के विरुद्ध कार्यवाही जारी 02 ट्रेक्टर ट्राली जप्त

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले में रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन के विरुद्ध नियमित कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में खनिज विभाग एवं होमगार्ड बल द्वारा फोरलेन ग्राम चंद्रपुरा में एक ट्रैक्टर ट्रॉली एवं मालाखेड़ी से एक ट्रैक्टर ट्रॉली को रेत का अवैध परिवहन करते जप्त कर पुलिस थाना देहात की अभिरक्षा में रखा गया है। उक्त कार्यवाही में पिंकी चौहान खनि निरीक्षक, कृष्ण कांत परस्ते प्र. खनि निरीक्षक, हेमंत राज खनि सिपाही एवं होम गार्ड बल उपस्थित रहा। उक्त वाहनों के विरुद्ध म. प्र. खनिज नियम 2022 के प्रावधान अनुसार प्रकरण पंजीबद्ध कर कार्यवाही की जा रही है।

जिले के सभी नगरीय निकायों में जनकल्याण शिविरों का आयोजन

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने सिलवानी और बेगमगंज में शिविरों का किया निरीक्षण

रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले के सभी नगरीय निकायों में शुक्रवार को जनकल्याण शिविरों का शुभारंभ हुआ। कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा ने बेगमगंज और सिलवानी में आयोजित जनकल्याण शिविर का जायजा लिया। उन्होंने शिविर स्थल पर लगाए गए विभिन्न स्टॉल का निरीक्षण कर जानकारी ली तथा नागरिकों से भी संवाद किया। उन्होंने एसडीएम, जनपद सीईओ तथा अन्य अधिकारियों से अभी तक प्राप्त आवेदनों की जानकारी लेते हुए कहा कि इन शिविर के आयोजन का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का त्वरित निराकरण और योजनाओं का हितलाभ वितरण करना है।

सभी अधिकारी शिविर में प्राप्त आवेदनों का शीघ्रता से निराकरण सुनिश्चित कराएं। साथ ही पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से लाभान्वित करने की कार्यवाही भी शीघ्रता से पूर्ण कराएं। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री कमल सोलंकी और अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। जिले के सभी नगरीय निकायों में जनकल्याण शिविरों का आयोजन शुक्रवार को जिला मुख्यालय रायसेन सहित बेगमगंज, सिलवानी, बाड़ी, उदयपुरा, देवरी सहित अन्य निकायों में जनकल्याण शिविरों का आयोजन

किया गया। रायसेन स्थित वन परिसर में आयोजित जनकल्याण शिविर का जिला पंचायत अध्यक्ष श्री यशवंत मीणा, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सविता सेन तथा सीएमओ सुश्री सुरेखा जाटव द्वारा दीप प्रज्जवलन कर शुभारंभ किया गया। उन्होंने उपस्थित नागरिकों को संबोधित कर शिविर आयोजन के उद्देश्य तथा अनेक योजनाओं की जानकारी दी।

शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर नागरिकों से आवेदन प्राप्त किए गए। साथ ही जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने शिविर स्थल पर अनेक विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल का निरीक्षण किया। स्वास्थ्य विभाग के स्टॉल के निरीक्षण के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सविता सेन तथा अधिकारियों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया। इसी प्रकार बाड़ी जनपद पंचायत कार्यालय में जनकल्याण शिविर आयोजित किया गया। जिसमें एसडीएम श्री अंकित जैन, जनपद सीईओ सहित विकासखण्ड स्तरीय अधिकारियों द्वारा आमजन से संवाद किया गया और समस्याओं का निराकरण किया गया।

सिरोंज विकासखंड में मूंग फसल के अफलन की वैज्ञानिक जांच होगी

विदिशा (निप्र)। सिरोंज विकासखंड में बीज संघ द्वारा 90 कृषकों को मूंग फसल के उन्नत बीज वितरित किए गए थे। अधिकांश किसानों के खेतों में मूंग की फसल का विकास एवं फलन संतोषजनक पाया गया है, जिससे किसानों को अच्छी उपज मिलने की संभावना है। हालांकि कुछ कृषकों के खेतों में फसल में अपेक्षित फलन नहीं होने की शिकायत सामने आई है। किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग के उप संचालक श्री केएस खपड़िया ने बताया है कि संबंधित कृषकों द्वारा मूंग फसल में अफलन (फलियों का पर्याप्त विकास न होना) की समस्या बताई गई है। इस विषय को गंभीरता से लेते हुए कृषि विभाग एवं बीज संघ द्वारा वैज्ञानिक स्तर पर जांच कराने का निर्णय लिया गया है।

विदिशा में ग्रीष्मकालीन खेल समर कैंप का सफल समापन, 208 विद्यालयों के 12,497 विद्यार्थियों ने लिया भाग

कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के मार्गदर्शन में सफल रहा समर कैंप, विद्यार्थियों में बढ़ी खेलों के प्रति रुचि

विदिशा (निप्र)। लोक शिक्षण संचालनालय मध्य प्रदेश, भोपाल के निर्देशानुसार कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के मार्गदर्शन में विदिशा जिले में 1 मई से 1 जून 2026 तक ग्रीष्मकालीन खेल समर कैंप का सफल आयोजन किया गया। जिले के सभी सात विकासखंडों के 208 विद्यालयों में आयोजित इस एक माह के खेल शिविर में लगभग 12,497 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कैंप के माध्यम से विद्यार्थियों को विभिन्न खेल गतिविधियों का प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिससे उनकी खेल प्रतिभा को निखारने और शारीरिक व मानसिक विकास को बढ़ावा मिला। आयोजन ने विद्यार्थियों में खेलों के प्रति रुचि और अनुशासन की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

विकासखंड वार जानकारी अनुसार विदिशा विकासखंड के 46 विद्यालयों में 2483

विद्यार्थियों ने सहभागिता की है। इसी प्रकार ग्यारसपुर विकासखंड के 23 विद्यालयों के 1730 विद्यार्थियों ने, बासौदा विकासखंड के 35 विद्यालयों के 2043 विद्यार्थियों ने, कुरवाई विकासखंड के 20 विद्यालयों के 1333 विद्यार्थियों ने, लटेरी विकासखंड के 22 विद्यालयों के 1144 विद्यार्थियों ने, लटेरी विकासखंड के 32 विद्यालयों के 1842 विद्यार्थियों ने और सिरोंज विकासखंड के 30 विद्यालयों के 1922 विद्यार्थियों ने समर कैंप में भाग लिया है। समर कैंप में विद्यालयों में पदस्थ खेल शिक्षकों एवं अतिथि खेल शिक्षकों व विशेषज्ञों को गतिविधि सम्पन्न आमंत्रित कर प्रशिक्षण दिया गया। विद्यार्थीयों की अभिरूचि अनुसार राज्य में प्रचलित मान्यता प्राप्त खेलों में से चयनित खेलों को प्रशिक्षण दिया गया कैम्प में पेंटिंग, नृत्य, संगीत एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन व नशामुक्ति, वोट अधिकार, जनगणना आदि की जानकारी दी गई। कैम्प के अंतिम दिवस 01 जून 2026 को समापन कार्यक्रम में पालकों, जिले के उत्कृष्ट खिलाड़ियों एवं स्थानी प्रतिनिधि, जन प्रतिनिधियों की उपस्थिति में कैम्प में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया गया।

समर कैम्प : विकासखण्ड ग्यारसपुर : सम्पूर्ण समर कैम्प आयोजन में प्रतिदिन विद्यार्थियों को स्वल्पाहार, पेयजल व्यवस्था कर योग, खेल, चित्रकला, नृत्य एवं अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन कराया गया। समय-समय पर उत्कृष्ट खिलाड़ियों एवं विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जाकर विद्यार्थियों को प्रतिशिक्षित कराया गया। थाना प्रभारी द्वारा ग्रीष्म कालीन प्रशिक्षण शिविर में स्वस्थ्य जीवन शैली अपनाने, क्राईम एवं नशा से दूर रहने की सीख दी। कैम्प में सहभागिता करने वाले समस्त विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किये गये।

समर कैम्प : विकासखण्ड बासौदा : सम्पूर्ण समर कैम्प आयोजन में प्रतिदिन विद्यार्थियों को स्वल्पाहार, पेयजल व्यवस्था कर योग, बेडमिंटन, खो-खो, कबड्डी, क्रिकेट, एथलेटिक्स आदि खेल, चित्रकला, मेहंदी, नृत्य, संगीत एवं अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन कराया गया। नशामुक्ति, वोट अधिकार, जनगणना आदि के संबंध में विद्यार्थीयों एवं विद्यार्थीयों द्वारा परिजनों को अवगत कराया गया। कैम्प में सहभागिता करने वाले समस्त विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किये गए।

समर कैम्प : विकासखण्ड विदिशा

सम्पूर्ण समर कैम्प आयोजन में प्रतिदिन विद्यार्थियों को स्वल्पाहार, पेयजल व्यवस्था कर योग, व्हालीबॉल, हैण्डबॉल, नेटबाल, खो-खो, कबड्डी, बास्केटबॉल, क्रिकेट, एवं अन्य खेल, चित्रकला, नृत्य एवं अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन कराया गया। पर्यावरण के प्रति जागरूक करना, एवं शारीरिक एवं मानसिक विकास तथा जनगणना के महत्व से विद्यार्थीयों को अवगत कराया गया। कैम्प में सहभागिता करने वाले समस्त विद्यार्थियों को ट्रॉफी एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर पुरस्कृत किया गया।

समर कैम्प : विकासखण्ड कुरवाई : सम्पूर्ण समर कैम्प आयोजन में प्रतिदिन विद्यार्थियों को स्वल्पाहार, पेयजल व्यवस्था कर योग, बेडमिंटन, खो-खो, कबड्डी, एथलेटिक्स आदि खेल, चित्रकला, नृत्य, संगीत एवं अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन कराया गया। समय-समय पर उत्कृष्ट खिलाड़ियों एवं विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जाकर विद्यार्थियों को प्रतिशिक्षित कराया गया।

खरगोन में सिरफिरे ने छत से बरसाए ईंट-पत्थर, 8 लोग घायल

4 की पसलियां टूटीं, पुलिस ने किया गिरफ्तार

खरगोन (नप्र)। मध्य प्रदेश के खरगोन जिले के सनावद के इस्लामपुरा क्षेत्र में गुरुवार-शुक्रवार की दरम्यानी रात उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक युवक अपने घर की छत पर चढ़ गया और राहगीरों पर पत्थर व ईंटें बरसाने लगा। अचानक हुए हमले से इलाके में दहशत फैल गई और आठ लोग घायल हो गए।

पथराव में टूटा व्यक्ति का हाथ

पुलिस के अनुसार आरोपी जितेंद्र यादव उर्फ कालू ने घर का दरवाजा बंद कर छत से लोगों को निशाना बनाना शुरू कर दिया। पथराव में एक व्यक्ति का हाथ टूट गया, जबकि तीन लोगों की पसलियों में फ्रैक्चर आया है। अन्य चार को भी चोटें आई हैं।

पुलिसकर्मियों पर भी फेंके पत्थर

सूचना मिलते ही थाना प्रभारी धर्मेंद्र यादव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने पहले युवक को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह और उग्र हो गया तथा पुलिसकर्मियों पर भी ईंट-पत्थर फेंकने लगा। कई ईंटें थाना प्रभारी और पुलिस टीम के बेहद करीब से गुजरीं। वह अचानक रात में छत पर चिल्लाने लगा और जो भी नीचे से गुजर रहा था, उस पर भारी पत्थर फेंकने लगा। अगर पुलिस समय पर न आती और टीआई साहब जान पर खेलकर ऊपर न चढ़ते, तो पत्थरों से किसी की जान भी जा सकती थी। पुलिस ने वाकई बहादुरी का काम किया है।

पुलिस के एक्शन की तारीफ

स्थिति बिगड़ती देख टीआई धर्मेंद्र यादव ने साहसिक कदम उठाया। अपनी जान की परवाह किए बिना वे दीवार पर चढ़कर छत तक पहुंचे और युवक को काबू कर लिया। इसके बाद उसे हिरासत में लेकर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे उपचार के लिए इंदौर के मानसिक चिकित्सालय भेज दिया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि आरोपी पहले भी इस तरह की हरकतें कर चुका है और क्षेत्र में कई बार परेशानी खड़ी कर चुका है। घटना के बाद नागरिकों ने थाना प्रभारी धर्मेंद्र यादव और पुलिस टीम का पुष्पहार पहनाकर सम्मान किया तथा उनकी बहादुरी और त्वरित कार्रवाई की सराहना की।

विंध्य हर्बल के प्रोडक्ट्स की रिपोर्ट सवालों के घेरे में

35 प्रतिशत सैंपल फेल होने का दावा, साइंटिस्ट को सेवा से हटाने की सिफारिश

भोपाल (नप्र)। विंध्य हर्बल के प्रोडक्ट्स के सैंपल फेल होने और यहां चल रहे विवाद के कारण हर्बल प्रोडक्ट्स की विश्वसनीयता पर सवाल उठने लगे हैं। इसके बाद यहां संविदा पर पदस्थ रहे साइंटिस्ट डॉ. दीपक द्विवेदी की सेवा समाप्ति की सिफारिश की गई है।

द्विवेदी पर आरोप है कि टेस्ट रिपोर्ट में हेरफेर, गुणवत्ता जांच के मानकों में बदलाव, अधिकारियों के निर्देश नहीं मानने और काम में लापरवाही उनकी आदत में शामिल है। दूसरी ओर डॉ. द्विवेदी ने खुद को दिए नोटिस के जवाब में कहा है कि उन्होंने हमेशा नियमों के अनुसार काम किया और गुणवत्ता से समझौता करने से इनकार किया। उनका आरोप है कि मनमाफिक रिपोर्ट बनाने के लिए मंत्री स्टाफ की ओर से उन पर दबाव बनाया जा रहा था। लघु वनोपज प्रसंस्करण और अनुसंधान केंद्र के दस्तावेजों के मुताबिक पिछले तीन सालों में एमएफपी पार्क में तैयार किए गए उत्पादों के 32 से 35 प्रतिशत सैंपल शासकीय आयुष लैब, ग्वालियर में फेल पाए गए।

भोपाल में आंधी-बारिश, रायसेन में उड़े छप्पर

सीहोर में बिजली गुल, खरगोन में निंदाई-बुआई पर असर, प्रदेश में 18 जून तक मानसून की एंट्री संभव

भोपाल (नप्र)। प्री मानसून एक्टिव है। कहीं तेज आंधी चल रही है तो कहीं ओले और बारिश हो रही है। रविवार को मौसम ने करवट ली। भोपाल, सीहोर, इंदौर, रायसेन और खरगोन में अच्छी बारिश हुई। कई इलाकों में तेज हवाओं से बिजली गुल हो गई, जबकि रायसेन में मकानों के छप्पर उड़ गए। खरगोन में निंदाई और बुआई का काम प्रभावित हुआ। मौसम केंद्र भोपाल के अनुसार, मानसून आने तक प्रदेश में प्री-मानसूनी गतिविधियां जारी रहेंगी। मानसून 3 से 4 दिन की देरी से चल रहा है और 18 जून तक मध्य प्रदेश में प्रवेश कर सकता है।

शिवपुरी-अशोकनगर में ऑरेंज अलर्ट

रविवार को शिवपुरी और अशोकनगर में तेज आंधी का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। ग्वालियर, गुना, शिवपुरी, दतिया, अशोकनगर, मुरैना, भिंड, श्योपुर, नीमच, मंदसौर, आगर-मालवा, राजगढ़, विदिशा, सागर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडौरी, अनूपपुर, जबलपुर, कटनी, दमोह, पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी में बारिश की संभावना है।

प्रदेश में अगले 4 दिन तक ऐसा ही मौसम

मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में एक ट्रफ की एक्टिविटी है। इसलिए अगले 4 दिन का वेदर फोरकास्ट जारी किया गया है। इसके अनुसार, आंधी-बारिश के साथ रविवार को इंदौर, उज्जैन, रतलाम, झाबुआ, अलीराजपुर, धार, बड़वानी, खरगोन, देवास, हरदा, खंडवा और बुरहानपुर में तेज गर्मी का असर भी रहेगा।

मिनटों की बारिश में राजधानी की सड़कें बनी तालाब, जाम में फंसी एम्बुलेंस, खुले नाले हादसों को बुला रहे

भोपाल में मानसून की दस्तक से पहले ही हुई बारिश ने शहर की व्यवस्थाओं की पोल खोल दी है। राजधानी में कई जगह सड़कें तालाब में तब्दील हो गईं, जबकि फ्लाइओवर और मुख्य मार्गों पर जलभराव के कारण यातायात प्रभावित हुआ। पुराने भोपाल से लेकर नए भोपाल तक लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।शहर के कई इलाकों में चार महीने पहले सीवेज पाइप लाइन डालने के लिए सड़कें खोदी गई थीं, लेकिन अब तक उनका पुनर्निर्माण नहीं किया गया है। बारिश के दौरान इन रास्तों पर पानी भरने से लोगों का निकलना मुश्किल हो गया है और हादसों का खतरा भी बढ़ गया है।मानसून से पहले भोपाल नगर निगम ने नाले-नालियों की सफाई, ड्रेनेज सिस्टम सुधारने और जलभराव वाले क्षेत्रों में विशेष इंतजाम करने के दावे किए थे। निगम प्रशासन का कहना था कि बारिश के दौरान पानी निकासी की सुचारु व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए अभियान चलाया गया है, लेकिन पहली बारिश में ही दावों की हकीकत सामने आ गई। बोर्ड ऑफिस से ज्योति टॉकीज तक की सड़क पर भी हालात खराब रहे। पिछले तीन महीने से इस सड़क की मरम्मत का काम चल रहा था, लेकिन महज 15 मिनट की बारिश में

सड़क पर इतना पानी भर गया कि पूरा रास्ता तालाब जैसा नजर आने लगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह समस्या हर साल बारिश में सामने आती है, लेकिन अब तक इसका स्थायी समाधान नहीं किया गया।

फ्लाइओवर में भरा पानी, एम्बुलेंस जाम में फंसी- कमलापति स्टेशन से एम्स हॉस्पिटल जाने वाले फ्लाइओवर पर जलभराव हो गया, जिससे लंबा जाम लगा रहा। जाम में एक एम्बुलेंस भी फंसी रही। पानी भरने से लगा जाम, रेंगती नजर आई गाड़ियां।

कमलापति स्टेशन से लेकर एमपी नगर तक भरा पानी- बारिश के बाद भोपाल के पॉश इलाकों में शामिल कमलापति स्टेशन रोड, सात नंबर रोड, एमपी नगर और अरेरा कॉलोनी की सड़कों पर जगह-जगह पानी भरा नजर आया।

खुले नाले मौत को दे रहे बुलावा- शहर में कई जगह बड़े-बड़े नाले खुले हुए हैं, जो बारिश में ओवरफ्लो हो जाते हैं। इससे आसपास से गुजरने वालों के नाले में गिरने का खतरा बना रहता है।

इंस्टाग्राम पर 'करण' की रईसी देख फिदा हुई कॉलेज छात्रा

घर छोड़कर भागी, जांच में पुताई वाला निकला

शहडोल (नप्र)। डिजिटल दौर में सोशल मीडिया के बढ़ते दुरुपयोग का एक बेहद हैरान करने वाला मामला मध्य प्रदेश के आदिवासी बाहुल्य शहडोल जिले से सामने आया है। यहां इंस्टाग्राम पर फर्जी चमक-दमक और अमीरी का नाटक रचकर एक शातिर युवक ने जैतपुर क्षेत्र की 18 वर्षीय कॉलेज छात्रा को अपने जाल में फंसा लिया। आरोपी युवक असल में घरों में पुट्टी-पुताई का काम करता था, लेकिन सोशल मीडिया पर खुद को बड़े खानदान का दिखाने के लिए वह आलीशान मकानों में काम के दौरान खींची गई तस्वीरों और वीडियो का इस्तेमाल करता था।

'करण राजपूत' बनकर किया प्रेमजाल का शिकार- पुलिस जांच के मुताबिक, ग्वालियर के मोहसान निवासी करण धनक ने इंस्टाग्राम पर 'करण राजपूत' नाम से एक फेक प्रोफाइल बना रखी थी। उसने खुद को बेहद समृद्ध और संपन्न परिवार का सदस्य बताया। कॉलेज की फर्स्ट ईयर की छात्रा उसकी बातों और प्रोफाइल के झूठे वैभव में आ गई। जब दोस्ती प्यार में बदली, तो आरोपी ग्वालियर से ट्रेन के जरिए शहडोल पहुंचा। वहां से बस और ऑटो बदलकर जैतपुर आया और युवती को बहला-फुसलाकर अपने साथ भगा ले गया।

मुरैना से दस्तयाब हुई छात्रा, आरोपी फरार- युवती के अचानक लापता होने से परेशान परिजनों ने 6 जून को जैतपुर थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने साइबर सेल और तकनीकी साक्ष्यों की मदद ली। सुराग मिलते ही पुलिस की एक विशेष टीम ग्वालियर-मुरैना के लिए रवाना हुई। कड़ी मशक्कत के बाद, घटना के 5 दिन बाद पुलिस ने मुरैना जिले के एक गांव में आरोपी के मामा के घर से छात्रा को सकुशल बरामद कर लिया। हालांकि, पुलिस की भनक लगते ही आरोपी करण धनक मौके से फरार हो गया।

पुलिस की अपील: सतर्क रहें

जैतपुर थाना प्रभारी जय प्रकाश शर्मा ने बताया कि बरामद की गई युवती को काउंसलिंग के बाद परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए तलाश तेज कर दी गई है। उन्होंने आम जनता से अपील की है कि सोशल मीडिया पर दिखने वाली हर पहचान सच नहीं होती, इसलिए अनजान लोगों से दोस्ती करने और अपनी निजी जानकारियां साझा करने से बचें।

नागौद राजघराना गोलीकांड में नया मोड़, बाबा राजा बोले-

सुनीता मेरी प्रेमिका नहीं, वर्किंग पार्टनर है

सतना (नप्र)। मध्य प्रदेश के सतना जिले में स्थित नागौद राजघराने की परसमनिया गढ़ी में 11 जून को हुए सनसनीखेज गोलीकांड में एक नया और चौंकाने वाला मोड़ आ गया है। घटना के बाद से सुर्खियों में रहे रूपेंद्र सिंह उर्फ बाबा राजा ने चार दिनों के बाद पहली बार मीडिया के सामने आकर अपना पक्ष रखा है। उन्होंने उन तमाम चर्चाओं और दावों को सिरे से खारिज कर दिया, जिसमें घायल महिला सुनीता सिंह को उनकी दूसरी पत्नी या प्रेमिका बताया जा रहा था। रूपेंद्र सिंह ने स्पष्ट किया कि सुनीता केवल उनकी बिजनेस पार्टनर और पेट्रोल पंप की मैनेजर हैं।

संपत्ति विवाद और क्रॉस एफआईआर- इस पूरे मामले के पीछे वैवाहिक और संपत्ति विवाद को मुख्य वजह बताया जा रहा है। रूपेंद्र सिंह के अनुसार, उन्होंने अपने रिश्ते को बचाने के लिए पहले ही कोर्ट में धारा 9 तहत केस दायर कर रखा था, लेकिन ससुराल पक्ष की नजर उनकी पैतृक संपत्ति पर है। फिलहाल, उचेहरा थाना पुलिस ने बाबा राजा की शिकायत पर साले नागेंद्र सिंह सहित तीन लोगों के खिलाफ मारपीट और धमकी की धाराओं में क्रॉस एफआईआर दर्ज कर ली है। फायरिंग करने वाली आरोपी सुनीता परिहार पहले ही पुलिस की गिरफ्त में है और अब मामले की असल सच्चाई फोरेंसिक रिपोर्ट के बाद ही साफ होगी।

क्या होती है हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 9- कानूनी जानकारों के अनुसार, जब पति या पत्नी में से कोई भी बिना किसी वाजिब कारण के एक-दूसरे से अलग रहने लगता है, तो पीड़ित पक्ष अदालत में दांपत्य अधिकारों की पुनर्स्थापना के लिए धारा 9 के तहत याचिका लगा सकता है।

डिफेंस में चली गोली, दीवार से टकराकर पत्नी को लगी

बाबा राजा ने घटना के वक्त का ब्योरा देते हुए आरोप लगाया कि उनकी पत्नी योगिता सिंह, साले नागेंद्र सिंह राठौर और अन्य ससुराल वालों ने उनके साथ बेरहमी से मारपीट की थी। दोपहर करीब 3.30 बजे हुए इस विवाद में उन्हें धक्का देकर गिराया गया, जिससे उनका चश्मा टूट गया और वे घायल हो गए। उन्होंने दावा किया कि जब हमलावर उन पर हावी हो रहे थे, तब सुनीता सिंह ने अपनी आत्मरक्षा में दीवार की तरफ हवाई फायरिंग की थी। वह गोली दीवार से टकराकर सीधे योगिता सिंह को जा लगी। उनका इरादा किसी को जान से मारने का नहीं था।

कही-सुनी

रवि भोई

(लेखक पत्रिका समवेत सृजन के प्रबंध संपादक और स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

बीजेपी की नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी अगले हफ्ते तक ?

कहा जा रहा है कि बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन 18 जून के बाद कभी भी नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी की घोषणा कर सकते हैं। माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फ्रांस और स्लोवाकिया यात्रा से लौटने के तत्काल बाद बीजेपी की नई राष्ट्रीय टीम घोषित कर दी जाएगी। प्रधानमंत्री 13 से 18 जून तक विदेश दौरे पर रहेंगे। बीजेपी की नई राष्ट्रीय टीम बनने के बाद मोदी मंत्रिमंडल का भी पुनर्गठन होगा। खबर है कि नितिन नबीन की टीम में 38 लोग होंगे। इसमें 13 राष्ट्रीय उपाध्यक्ष,8 राष्ट्रीय महामंत्री,एक राष्ट्रीय महामंत्री संगठन,15 राष्ट्रीय सचिव और एक राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष होंगे। बताया जा रहा है कि राष्ट्रीय टीम में 60 फीसदी पदाधिकारी 60 साल से कम उम्र के बनाए जाएंगे। नितिन नबीन की टीम में 33 फीसदी महिला आरक्षण के फार्मूले का भी पालन होगा। याने 13 महिला पदाधिकारी होंगी। राष्ट्रीय टीम के गठन के बाद केंद्रीय मंत्रिपरिषद के पुनर्गठन की खबर है। अनुमान लगाया जा रहा है कि करीब 15 मंत्रियों को हटाया जा सकता है। इनमें से आधे संगठन में एडजेस्ट हो सकते हैं। नरेंद्र मोदी के मंत्रिपरिषद में भाजपा के साथ जनता दल यूनाइटेड, तेलुगू देशम पार्टी और शिवसेना शिंदे गुट के सांसदों को जगह मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा टीएमसी और आम आदमी पार्टी से टूट कर आए सांसदों की भी किस्मत चमक सकती है। राष्ट्रीय कार्यसमिति के गठन और केंद्रीय मंत्रिपरिषद के पुनर्गठन के बाद छत्तीसगढ़ मंत्रिमंडल में फेरबदल के आसार हैं।

- **डीजीपी से दुखी एडीजी साहब-** एक एडीजी साहब आजकल डीजीपी अरुणदेव गौतम से बड़े दुखी बताए जाते हैं। कहते हैं कि गौतम साहब जब प्रभारी डीजीपी थे, तब इसी एडीजी साहब ने उनका साथ दिया था और संकटमोचक की भूमिका निभाई थी, पर अब एडीजी साहब ने डीजीपी साहब के साथ वर्क टू रूल को फॉलो कर लिया है। चर्चा है कि डीजीपी साहब पहले एडीजी को बड़ा भाव देते थे, उनकी हर बात को सुनते थे, पर डीजीपी साहब को स्थायी तमगा मिलते ही एडीजी साहब को पहले जैसे भाव मिलना बंद हो गया और उनकी बात भी कटनी शुरू हो गई। इस बात से खफा एडीजी साहब ने भी पुलिस मुखिया के सामने अपना रोल सीमित कर दिया। एडीजी साहब की सेवा अभी काफी बची है। भाग्य ने साथ दिया तो उन्हें ऊँची कुर्सी मिल भी सकती है।
- **मंत्री जी के ओएसडी ने काटी चांदी-** चर्चा है कि राज्य के एक मंत्री जी के ओएसडी साहब ने तबादलों के खेल में खूब चांदी काटी। खबर उड़ रही है कि ओएसडी साहब ने 50-60 पेटी का खेल कर लिया। सरकार ने तबादला अभी खोला नहीं है, पर कुछ मंत्री समन्वय में मामला लाकर अपने मंतव्य को अंजाम दे दे रहे हैं। वैसे इन मंत्री जी ने जब से पदभार संभाला है, तब से उनकी नजर तबादलों पर ही है। कहते हैं मंत्री जी तबादला उद्योग को अमलीजामा पहनाने के लिए एक टीम भी बना रखी है। इस टीम में ओएसडी साहब भी हैं। ओएसडी साहब की विभाग के एक अफसर की जुगलजोड़ी चर्चा में हैं। माना तो यह जाता है कि अफसर ने ही ओएसडी साहब को मंत्री जी टीम में शामिल करवाया है। सुनने में आता है कि ओएसडी साहब तबादलों में ही नहीं बाकी काम-धंधों में भी अपना हुनर दिखाते हैं। इस कारण मंत्री जी के पसंदीदा भी हैं।
- **छुट्टी के दिन शिकार की खोज में-** कहते हैं एक आईएएस अफसर साहब शनिवार-रविवार या सरकारी छुट्टी के दिन छापेमारी करते हैं। बताते हैं यह अफसर दो विभाग के सचिव के साथ दो विभाग के एचओडी भी हैं। विभागाध्यक्ष के साथ सचिव होने से उनसे कोई सवाल-जवाब भी नहीं करता। खबर है कि आईएएस अफसर साहब विभागाध्यक्ष के तौर पर काम को अंजाम देते हैं। आईएएस अफसर को मातहतों की नब्ज को पकड़ने में माहिर माना जाता है। सुनने में आता है कि यह आईएएस अफसर बैठकों में मातहतों के नब्ज को दबा देते हैं, जिससे निचले स्तर पर भी कोई चूं -चपड़ कोई करता नहीं और आसानी से अपना लक्ष्य साध लेते हैं। इन अधिकारी महोदय के पास जनता से जुड़ा एक विभाग भी है, कहा जाता है इसी विभाग से जुड़ी संस्थाओं पर छुट्टी के दिनों उनकी नजर ज्यादा होती है।
- **विवेकानंद और सुंदरराज जाएंगे प्रतिनियुक्ति पर-** चर्चा है कि एडीजी नक्सल ऑपरेशंस विवेकानंद सिन्हा और बस्तर के आईजी सुंदरराज पी. केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जाएंगे। खबर है कि आईपीएस सुंदरराज पी पारिवारिक कारणों से हैदराबाद में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति चाहते हैं। सुंदरराज पी 11 नवंबर 2019 से बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक के रूप में कार्यरत हैं। वे लगातार बस्तर में नक्सल विरोधी अभियानों का नेतृत्व कर रहे हैं। सुंदरराज पी बस्तर के एसपी भी रह चुके हैं। भारत सरकार में जाने के इच्छुक आईपीएस विवेकानंद सिन्हा अक्टूबर 2021 से एडीजी नक्सल ऑपरेशन के पद पर पदस्थ हैं। कहा जा रहा है कि विवेकानंद केंद्रीय सुरक्षा बल में एडीजी के पद पर जा सकते हैं। वैसे विवेकानंद को राज्य में ही स्पेशल डीजी बनाने की बात भी चल रही है, पर अभी राज्य में चार डीजी हैं। इसमें दो कैडर और दो नान कैडर पोस्ट है। अब भारत सरकार छत्तीसगढ़ में स्पेशल डीजी के तीन पद स्वीकृत करने की मंजूरी देती है या नहीं, यह बड़ा सवाल है।
- **एक भाजपा नेता लगाएंगे इथेनॉल प्लांट-** कहते हैं छत्तीसगढ़ के एक भाजपा नेता केंद्रीय मंत्री नितिन गड़करी से प्रभावित होकर राज्य के बलौदाबाजार इलाके में इथेनॉल बनाने का प्लांट लगाने वाले हैं। महाराष्ट्र में नितिन गड़करी के बेटे शुगर मिल चलाते हैं और इथेनॉल बनाते हैं। आजकल इथेनॉल मिला पेट्रोल का जमाना है। अभी 20 फीसदी इथेनॉल वाला पेट्रोल बिक रहा है। आने वाले दिनों में 85 फीसदी इथेनॉल वाला पेट्रोल बाजार में आ जाएगा। ऐसे में इथेनॉल बनाने का काम बड़ा चोखा धंधा बन जाएगा। खबर है कि छत्तीसगढ़ के भाजपा नेता टूटे चावल (कनकी) से इथेनॉल बनाने वाले हैं। भाजपा के ये नेता बड़े कारोबारी हैं, तो नए फिल्ड में हाथ आजमाएंगे ही।
- **पुलिस महकमे में बड़े हेरफेर की अटकलें-** छत्तीसगढ़ के पुलिस महकमे में बदलाव बड़े दिनों से लटका है। उम्मीद की जा रही है कि जून महीने के अंत में पुलिस मुख्यालय से लेकर जिला स्तर पर बड़ा परिवर्तन हो सकता है। पूर्णकालिक डीजीपी बनने के बाद भी अरुणदेव गौतम डीजी होमगार्ड का प्रभार अपने पास अभी रखे हुए हैं। डीजी जीपी सिंह अभी भी बिना काम के चल रहे हैं। बलौदाबाजार-भाटापारा में एसपी प्रभारी हैं। सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में भी एसपी का पद खाली है। कई एसपी डीआईजी स्तर पर पहुँच गए हैं। डीआईजी बन चुके कुछ एसपी को पुलिस मुख्यालय में लाने की चर्चा है। अभी कई जिलों में प्रमोटी आईपीएस एसपी हैं। इसको लेकर सीधी भर्ती वाले आईपीएस खफा बताए जाते हैं। इस फेरबदल में संतुलन की उम्मीद की जा रही है। चर्चा है कि फेरबदल में दुर्ग, बिलासपुर, कोरबा, बेमेतरा, सरगुजा समेत कई जिलों के एसपी प्रभावित हो सकते हैं।